राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 18 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–84 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

यूनाइटेड नेशन्स की रिपोट...77 साल में दोगुने हुए भारतीय

भारत की जनसंख्या 144 करोड़ से ज्यादा

-14 साल तक के उम्र की आबादी करीब 35 करोड़

नई दिल्ली ।

यूनाइटेड नेशन्स की हेल्थ एजेंसी यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत की जनसंख्या पिछले 77 सालों में दोगुनी हो चुकी है। यह 144.17 करोड़ पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2006-2023 के बीच 23 प्रतिशत बाल विवाह हुए हैं। साथ ही डिलीवरी के समय होने वाली महिलाओं की मौतों की संख्या में कमी आई है।

भारत ने इस साल के शुरुआत में सबसे ज्यादा 142.5 करोड़ आबादी वाले देश चीन को पीछे छोड़ा था। 2011 की जनगणना के मुताबिक, देश की कुल आबादी 121 करोड़ दर्ज की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल आबादी का 24 प्रतिशत हिस्सा 0-14 साल के लोगों का है। 15-64 साल की संख्या सबसे ज्यादा 64 प्रतिशत है। पुरुषों की औसत आयु 71 और महिलाओं की 74 साल है।

सेक्सुअल हेल्थ में भारत 30 साल में सबसे बेहतर

यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड की इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में सेक्सुअल और रिप्रोडक्टिव हेल्थ 30 सालों के सबसे बेहतर स्तर पर है। यही कारण है कि डिलीवरी के दौरान होने वाली मौतों की संख्या में भी गिरावट आई है। दुनिया में हो रही ऐसी मौतों में भारत का हिस्सा 8 प्रतिशत है। वहीं 2006-2023 के बीच हुए कुल विवाहों में 23 प्रतिशत बाल विवाह है। जिनमें लड़के और लड़की की उम्र 21 और 18 साल से कम थी।

शारीरिक संबंधों के फैसलों में महिलाओं पर हावी पुरुष

रिपोर्ट में वैश्विक रूप से महिलाओं की यौन स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कहा गया है कि लाखों महिलाएं और लड़कियां अभी प्रमुख स्वास्थ्य उपायों से वंचित हैं। 2016 के बाद से हर दिन 800 महिलाओं की बच्चे को जन्म देते समय मौत हो जाती हैं। आज भी एक चौथाई महिलाएं अपने पार्टनर के साथ यौन संबंध बनाने से इनकार नहीं कर सकती हैं।

संबंध बनाने वाली 10 में से 1 महिला आज भी गर्भनिरोधक उपायों के बारे में खुद निर्णय नहीं ले सकती। रिपोर्ट में कहा गया है

कि डेटा वाले 40 प्रतिशत देशों में महिलाएं शारीरिक संबंधों का फैसले लेने में पुरुषों से पीछे हैं।

दिव्यांग महिलाओं से यौन हिंसा का खतरा बढ़ा

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिव्यांग महिलाओं से यौन हिंसा का खतरा दिव्यांग पुरूषों की अपेक्षा 10 गुना अधिक है। दिव्यांग, प्रवासी-शरणार्थी, अल्पसंख्यक, एचआईवी पीड़ित और वंचित-दलित वर्गों की महिलाओं को अब भी यौन और प्रजनन स्वास्थ्य में जोखिम का सामना करना पड़ा रहा है। स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में सुधार का लाभ मुख्य रूप से धनी महिलाओं और उन जातीय समूहों से संबंधित लोगों को हुआ है जिनके पास पहले से ही स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच थी।

अमेठी को लेकर पार्टी का जो आदेश होगा, वह मानूंगा-राहुल गांधी

गाजियाबाद । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेठी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच बुधवार को कहा कि यह फैसला पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में होगा और पार्टी का जो भी आदेश होगा, वह उसे मानेंगे। राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से एक बार फिर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। उनके अमेठी से चुनाव लड़ने को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस ने फिलहाल अमेठी और रायबरेली से अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जब राहुल गांधी से अमेठी से चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हमारी पार्टी में सीईसी की बैठक में ये फैसले होते हैं। मुझे जो भी आदेश मिलेगा, मैं वह करूंगा।' उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी 2004 से 2019 तक अमेठी से लोकसभा सदस्य थे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत

खेडा । नडियाद के निकट अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर आज दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया. यह हादसा तेज रफ्तार कार के ट्रेलर के पीछे घुसने की वजह से हुआ. जानकारी के मुताबिक वडोदरा से एक कार दोपहर के वक्त अहमदाबाद की ओर जा रही थी. अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर सरपट भागी जा रही कार खेडा जिले के नडियाद के निकट आगे चल रहे ट्रेलर के पीछे तेज धमाके के साथ घुस गई. इस घटना में कार के चीथड़े उड़ गए और उसमें सवार 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. खबर पाते ही एम्ब्युलैंस 108 की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई. हांलाकि तब तक 10 में से 8 लोगों की मौत हो चुकी थी. जबकि गंभीर रूप से घायल अन्य 2 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया. जहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया. इस हादसे में अहमदाबाद के योगेश नरेन्द्रभाई पंचाल, वडोदरा के जयश्री मनोजभाई मिस्त्री, नील मुकेशभाई भोजवाणी, वलसाड के अमित मनुभी सोलंकी, मुंबई के शाहबुद्दीन अब्दुल शकुर अंसारी, राजस्थान के सुरेन्द्रसिंह रावत समेत 10 लोग शामिल हैं. स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है.

नवादा सीट पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर

पटना । लोक जनशक्ति पार्टी से लेकर भारतीय जनता पार्टी ने नवादा सीट पर अपना प्रत्याशी दिया, लेकिन मुद्दा जस का तस है। नवादा ने भाजपा से गिरिराज सिंह को कभी सांसद बनाया, फिर लोजपा के चंदन सिंह को बनाया। दोनों ही बाहरी थे। इस बार विवेक सिंह के साथ भी यही चर्चा है। नवादा में खेल बहुत रोचक हो गया है। महागठबंधन अपने संकटों में घिरा है और समाधान नहीं निकाल सका है। दूसरी ओर, भाजपा सामने खड़े राष्ट्रीय जनता दल प्रत्याशी की जाति के वोटरों को साथ लाने में विफल दिख रही है। जैसे गिरिराज आए-गए, उसी तरह चंदन सिंह के बारे में विचार है। इसकारण लोगों की जुबान पर उनके रहने या नहीं रहने की कोई बात नहीं होती सुनाई देती है। हां, भाजपा प्रत्याशी को जगह-जगह यह जरूर बताना पड़ता है कि वह क्यों बाहरी नहीं हैं और पिछले सांसद की किन खामियों का समाधान वे निकलने को तैयार है। राजद के विनोद यादव यहां दोनों प्रत्याशियों के मुकाबले कम चर्चा में नहीं हैं। यह चुनाव उनके जीने-मरने का सवाल बन गया है। उनके धुर विरोधी गुट के श्रवण कुमार कुशवाहा को राजद ने टिकट दे दिया। वह पांच-सात करोड़ में राजद का टिकट बिकने की बात भी कह चुके हैं। महागठबंधन भले कुछ दावा करे, लेकिन विनोद यादव ने राजद के वोट बैंक का ठीकठाक हिस्सा प्रभावित किया है। यह भूमिहार बाहुल लोकसभा सीट है। इसलिए, एनडीए में अमूमन इसी जाति पर दांव खेला जाता है। इस बार विवेक ठाकुर भी इस समूह से आए हैं। भाजपा से भूमिहारों की नाराजगी का असर इस कारण से निष्प्रभावी दिखता ही है, एक और बात यह भी है कि राजद के प्रत्याशी श्रवण कुमार कुशवाहा को इस जाति के लोग पसंद नहीं करते हैं। मतलब, भाजपा के लिए यह सोने पर सुहागा वाली स्थिति है। वैसे, भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह ने निर्दलीय उतरकर भाजपा के इस वोट बैंक को नुकसान पहुंचाने की भरपूर कोशिश की है। भाजपा के लिए सबकुछ अच्छा है, यह कहना भी गलत है। यहां भाजपा कोटे से उप मुख्यमंत्री और बिहार प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी की प्रतिष्ठा सीधे दांव पर है। कहा जा रहा है कि सम्राट चौधरी और उपेंद्र कुशवाहा के बावजूद श्रवण कुमार को लेकर कुशवाहा जाति के वोटर गोलबंदी की स्थिति में हैं।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का पहला सूर्य तिलक

12 बजे अभिजीत मुहूर्त में 3 मिनट तक माथे पर पड़ीं नीली किरणें

अयोध्या । (एजेंसी)

अयोध्या में रामनवमी पर बुधवार को दोपहर 12 बजे से रामलला का सूर्य तिलक हुआ। प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह पहला सूर्य तिलक है। दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक किया गया और मस्तक पर 3 मिनट तक नीली किरणें पड़ीं। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। मंदिर में आरती की गई। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए रामलला का पट बंद कर दिया गया। इससे पहले जगद्गुरु राघवाचार्य ने 51 कलशों से भगवान रामलला का अभिषेक किया। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम बनाया गया है। इसमें 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भ गृह तक रामलला के मस्तक तक किरणें पहुंचाई गईं।

ये सूर्य तिलक, भारत के संकल्प को प्रकाशित करेगा

पीएम मोदी बुधवार को असम के नलबाड़ी में चुनावी रैली के लिए पहुंचे थे।

वहां उन्होंने हेलिकॉप्टर में अपने टैबलेट में बैठकर सूर्य तिलक देखा। पीएम ने एक्स पर लिखा- नलबाड़ी की सभा के बाद मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य

तिलक के अद्भुत और अप्रतिम क्षण को देखने का सौभाग्य मिला। श्रीराम जन्मभूमि का ये बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। ये सूर्य तिलक, विकसित भारत के हर संकल्प को अपनी दिव्य ऊर्जा से इसी तरह प्रकाशित करेगा।

चुनाव रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले

असम को पंजे में जकड़ा था कांग्रेस ने

-विपक्ष ने नॉर्थ-ईस्ट में अलगाववाद को खाद-पानी दिया, मोदी ने गले लगाया

गुवाहाटी । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को असम और त्रिपुरा दौरे पर रहे। उन्होंने असम के नलबाड़ी में चुनाव रैली को संबोधित करते हुए कहा- कांग्रेस ने सियासी फायदे के लिए असम को अपने पंजे में जकड़ रखा था। ताकि उनके लिए लूट और भ्रष्टाचार के रास्ते खुले रहें। अब ये पंजा खुल गया है। असम में सबका साथ और सबका विकास हो रहा है। मोदी ने कहा कि जिस नॉर्थ-ईस्ट को कांग्रेस और विपक्ष ने समस्याएं दीं, अलगाववाद को खाद-पानी दिया। उस नॉर्थ-ईस्ट को मोदी ने गले लगाया। जो कांग्रेस के 60 वर्षों में नहीं हुआ, वह मोदी ने 10 साल में किया। मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार की योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं होता। योजनाओं का लाभ हर किसी को मिलता है। अब एनडीए ने ठाना है कि देश के हर नागरिक तक पहुंचकर जिस सुविधा का वो पात्र है, वो सुविधा उसे दी जाएगी। अब 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों की सेवा आपका बेटा मोदी करेगा। इन्हें 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी।

3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएंगे

पीएम ने कहा कि आपका बिजली बिल जीरो आए, इसलिए कम दाम पर सोलर पैनल दिए जाएंगे। इसके अलावा हमने लक्ष्य रखा है 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएंगे। हमने खरीफ की फसलों का रूक्स बढ़ाया है। इससे यहां के किसानों को लाभ हुआ है। भाजपा ने किसानों को लेकर सभी योजना को जारी रखेंगे। उन्होंने कहा किअसम का विकास इस बात का सबूत है कि जब नीयत सही हो तो नतीजे भी सही आते हैं।

150 पर ही सिमट जाएगी भाजपा-राहुल गांधी

गाजियाबाद । (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को यहां लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण का चुनाव प्रचार थमने से पूर्व संयुक्त रुप से संवाददाताओं को सम्बोधित किया। इस दौरान इण्डिया गठबंधन के दोनों नेताओं ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जमकर व्यंग्य बाण चलाये। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि इस बार एनडीए की सरकार 150 सीटों पर सिमट कर रह जाएगी। वहीं, अखिलेश यादव ने कहा कि वो 2014 में आए थे 2024 में जाएंगे और इस बार विदाई भी बैंड बाजे के साथ होगी।

कौशांबी स्थित एक होटल में इंडिया गठबंधन की संयुक्त प्रेस वार्ता को सबसे पहले अखिलेश यादव ने सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा की बैंड बजा दी है। उन्होंने कहाकि भाजपा की हर बात झूठी निकली।

न किसान की आय दोगुनी हुई, न युवाओं को रोजगार मिला, विकास के वादे भी अधूरे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड ने इनकी पोल खोल दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है।

वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ आरएसएस और भाजपा संविधान को खत्म करने की कोशिश में है तो दूसरी ओर गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए चुनाव लड़ रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर सीधे हमला बोलते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कभी मुद्दों पर बात नहीं करते। मुद्दों पर बात करने की बजाय कभी तो वह आसमान में सी प्लेन पर चले जाते हैं तो कभी समुद्र की गहराईयों में चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम ने एक साक्षात्कार में इलेक्टोरल बॉन्ड को सही बताया और चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए इसे जरूरी बताया। यदि यह सच है तो इस सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द क्यों किया। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने भाजपा को चुनाव के नाम पर करोड़ों की रकम दी भाजपा उनका नाम क्यों नहीं उजागर कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार देश के 20 से 25 लोगों पर ही मेहरबान है, इन लोगों के पास इतना धन है जितना कि देश के 70 करोड़ लोगों के पास है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'यह चुनाव विचारधारा का चुनाव है।

-बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस से धक्कामुक्की; 34 ट्रेन प्रभावित, 11 कैंसिल हुईं

शंभू बॉर्डर पर किसानों ने रेलवे ट्रैक जाम किया

अंबाला । (एजेंसी)

पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने शंभू रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक जाम कर दिया है। बॉर्डर पर नेशनल हाईवे बंद कर डटे किसान शंभू बॉर्डर के पास ही रेलवे ट्रैक पर बैठ गए हैं। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिससे पुलिस-किसानों की धक्कामुक्की हुई। मगर, किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और ट्रैक पर बैठ गए।

किसान सरकार से युवा नेता नवदीप सिंह जलबेड़ा समेत 3 किसानों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में पहले उनकी हरियाणा और पंजाब सरकार से मीटिंग हुई थी, जिसके बाद रिहाई का भरोसा मिला था। जिसके बाद किसानों ने सरकार को 16 अप्रैल तक का समय दिया था। सरकार ने रिहाई नहीं की तो वे ट्रैक पर उतर आए। किसानों के प्रदर्शन के चलते 34 ट्रेन प्रभावित हुई हैं। 11 ट्रेनों को पूरी तरह से कैंसिल किया गया है, जबकि कई ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए गए हैं तो कुछ के रूट शॉर्ट किए गए हैं।

रिहाई तक ट्रैक खाली नहीं करेंगे

किसान नेता जगजीत डल्लेवाल ने कहा कि सरकार ने भरोसा देकर भी उन्हें रिहा नहीं किया। हमारा

किसान साथी जेल में मरणव्रत पर बैठा है। जब तक सरकार उसे रिहा नहीं करती, हम ट्रैक खाली नहीं करेंगे। अगर सरकार अभी रिहा कर दे तो हम 10 मिनट में हट जाएंगे। आम लोगों की परेशानी को लेकर डल्लेवाल ने कहा कि हमारा साथी जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है, इसमें लोग हमें सहयोग करें।

हम नहीं चाहते थे, सरकार ने मजबूर किया

आंदोलन की अगुआई कर रहे किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि हम रेल नहीं रोकना चाहते थे। मगर, हमें इसके लिए मजबूर करना सरकार का फेलियर है। सरकार ने 16 अप्रैल तक रिहाई का भरोसा देकर वादाखिलाफी की है। उन्होंने कहा कि रेल रोको आंदोलन अनिश्चितकाल के लिए रहेगा।

प्रियंका गांधी ने किया रोड शो, कहा-मोदी सत्य नहीं सत्ता के उपासक

सहारनपुर । (एजेंसी)

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को सहारनपुर की गोल कोठी से लेकर कुतुबशेर थाने तक रोड शो किया। करीब एक घंटा चले रोड शो में प्रियंका गांधी ने लगभग 12 मिनट जनता को संबोधित भी किया। इस दौरान प्रियंका गांधी के निशाने पर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रहे। उन्होंने कहा कि इस देश ने सत्ता को नहीं सत्य को पूजा है और मोदी सत्ता को पूजते हैं सत्य को नहीं।

रोड शो अधिकतर मुस्लिम आबादी के बीच से गुजरा। कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद के समर्थन में वोट की अपील की। बता दें कि कांग्रेस की तरफ से अभी तक एक भी स्टार प्रचारक जिले में नहीं आया। कांग्रेस की ओर से आज पिय्रंका इस लोकसभा चुनाव में पश्चिमी यूपी में पहली बार प्रचार मैदान में पहुंचीं। रोड शो के दौरान प्रियंका गांधी ने रामनवमी को भी याद करते हुए कहा कि भगवान राम ने भी सत्य की लड़ाई लड़ी थी। जब उनके सामने रावण युद्ध करने के लिए आया तो सारी शक्ति रावण के पास थी, लेकिन भगवान राम ने नौ व्रत रखकर सारी शक्ति अपने पास ले ली थी। इसके बाद रावण से युद्ध किया और सत्य की जीत हुई। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने छोटे व्यापारी, गरीब, मजदूर के लिए कुछ नहीं किया और अडानी अंबानी का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया। भाजपा सरकार ने हमेशा अमीरों की जेबें भरी हैं। गरीब को कुछ नहीं मिला इलेक्ट्रोल बॉन्ड स्कीम भी भाजपा लेकर आई थी और वह इस सूची के नाम गोपनीय रखना चाहती थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने नाम उजागर करने के आदेश दिए तो भाजपा की पोल खुल गई। जो कंपनी 180 करोड रुपए का मुनाफा कमा रही है, वह कंपनी 1100 करोड रुपए का चंदा भाजपा को दे रही है। आखिर यह पैसा कहां से आ रहा है? मोदी ने काला धन लाने के लिए कहा था।

क्या आया? जीएसटी आई, जिसने व्यापारियों की कमर तोड़ दी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि सहारनपुर के लोगों का लकड़ी का कारोबार ठप हो गया। एक समय था जब यहां से बड़ी संख्या में लकड़ी के बने उत्पाद एक्सपोर्ट हुआ करते थे। मोदी सरकार में वह भी बंद हो गए। मेरी जनता से अपील है कि वह सपा कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी भाई इमरान को भारी मतों से जिताएं। आने वाले 19 अप्रैल को अधिक से अधिक मतदान

करें। कांग्रेस के जिला प्रवक्ता गणेश दत्त शर्मा ने बताया कि प्रियंका गांधी सरसावा एयरफोर्स स्टेशन पर पहुंची। इसके बाद सहारनपुर में गोली कोठी से रोड शो शुरू किया। रोड शो रायवाला, जेबीएस इंटर कॉलेज, कम्बोह का पुल, रांघडो का पुल और कुतबशेर होते हुए अधिकतर क्षेत्र मुस्लिम आबादी से गुजरा और लकड़ी बाजार, कम्बौह का पुल, रांघड़ो का पुल, कुतुबशेर होते हुए गुरू सिंघ सभा गुरुद्वारा, गुरुद्वारा रोड पर संपन्न हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

लू और बारिश

भारत में सियासी तापमान के साथ ही मौसमी तापमान भी तेजी से बढ़ने लगा है। उत्तर भारत के अनेक इलाकों में लू का प्रभाव शुरू हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपने ताजा पूर्वानुमान में महाराष्ट्र, उत्तरी गोवा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। उत्तर भारत में कुछ इलाकों में चिलचिलाती गरमी से राहत रहेगी, पर ज्यादातर इलाके दिन के समय तपेंगे। कुछ जगहों पर बादल भी छाए हैं, पर बादल के हटते ही तापमान के सभी जगह तेज होने का अनुमान है। बिहार के करीब एक दर्जन जिलों में लू का माहौल है, पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है। उत्तर प्रदेश के भी अनेक जिलों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचने लगा है। तापमान या लू की चिंता इस साल इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि यह चुनावी समय है। बड़े पैमाने पर लोगों का आवागमन होगा और सभाओं का आयोजन होगा। अनेक जगहों पर हजारों लोगों की भीड़ जुटेगी और लोगों को परेशानी होगी। ऐसे में, अगर तापमान 40 या 45 के पार रहता है, तो संकट सताएगा। मौसम प्रतिकूल होने से चुनाव प्रचार के साथ ही मतदान प्रतिशत भी प्रभावित हो सकता है। वैसे यह कोई नई बात नहीं है, विगत दशकों से लोकसभा चुनाव मार्च-अप्रैल-मई में ही होते आए हैं, पर तापमान के मद्देनजर सभी को सावधान रहना होगा। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, मई का महीना तपेगा। चिंता इसलिए भी ज्यादा है कि पिछला साल 2023 वर्ष 1901 के बाद सबसे गरम रहा था। क्या साल 2024 से हम राहत की उम्मीद कर सकते हैं? इस साल गरमियों में कुछ इलाकों में पारा 50 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा सकता है। शहरों को विशेष रूप से जल की व्यवस्था दुरुस्त रखनी पड़ेगी। खैर, आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान का अनुमान नहीं लगाया जा सकता, पर आने वाली बारिश का अनुमान मौसम विभाग ने लगा लिया है। इस साल जून और सितंबर के बीच सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश होने की संभावना है। ध्यान रहे, पिछले वर्ष देश में सामान्य से कम बारिश हुई थी, इसलिए इस बार सामान्य से अधिक बारिश किसी खुशखबरी से कम नहीं है। पूर्वानुमान के अनुसार, देश भर में वर्षा की कुल मात्रा पांच प्रतिशत की त्रुटि आशंका के साथ लंबी अवधि के औसत का 106 प्रतिशत रहेगी। वैसे मई के अंत में मौसम विभाग बारिश से जुड़े सुनिश्चित अनुमान लगाने में सक्षम होगा। फिलहाल, समुद्री तापमान के ढर्रे में अपेक्षित बदलाव और उत्तरी गोलार्ध में बर्फ की मात्रा को देखते हुए सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान लगाया गया है। अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मध्यम अल नीनो की स्थिति बनी हुई है। देश में सामान्य से अधिक मानसून की 31 प्रतिशत संभावना है, जबकि सामान्य से कम मानसून की 8 प्रतिशत संभावना है और कमजोर मानसून की केवल दो प्रतिशत संभावना जताई गई है। वास्तव में, हमें मौसम के बारे में समग्रता में सोचना चाहिए। ज्यादा गरमी भी ठीक नहीं और न ज्यादा बारिश, पर जलवायु परिवर्तन का जो हाल है, उसके अनुसार, हमें दोनों ही परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए। साथ ही, एक बार जरूर सोचना चाहिए कि अत्यधिक तापमान या अत्यधिक बारिश की स्थिति से बचने के लिए हम क्या कर सकते हैं। चुनाव के समय में पर्यावरण या मौसम राजनीति का केंद्रीय विषय भले न बना हो, पर लोगों के लिए यह विषय महत्वपूर्ण होना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

सुप्रीम कोर्ट की बाबा रामदेव को फटकार

(लेखक- -राम पुनियानी)

पिछले कुछ दशकों में भारत में कई बाबाओं का उदय हुआ है। इसके पहले भी बाबा हुआ करते थे मगर इन दिनों बाबाओं का जितना राजनैतिक और सामाजिक दबदबा है, उतना पहले शायद कभी नहीं रहा। कई बाबा अनेक तरह के काले कामों में लिप्त भी पाए गए हैं मगर उनकी दैवीय छवि के चलते उनके अपराधों को नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है। शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती पर उनके आश्रम के एक कर्मी शंकर रमण की हत्या का आरोप था। सत्यसांई बाबा के प्रशांति निलयम में भी एक हत्या हुई थी। गुरमीत राम रहीम के कुकर्मों को उजागर करने के लिए पत्रकार छत्रपति रामचंद्र को अपनी जान गंवानी पड़ी। अंततः राम रहीम कानून के पंजे में फँस गया और इन दिनों जेल में है। यह अलग बात है कि वो अधिकांश समय पैरोल पर बाहर रहता है। आसाराम बापू लम्बे समय तक कानून की पकड़ से दूर रहा मगर अब वह सीखचों के पीछे है। इस समय बागेश्वर धाम नामक एक बाबा काफी लोकप्रिय है। ये कुछ उदाहरण मात्र हैं। देश में असंख्य बाबा हैं जो अपने-अपने अंधभक्तों की भीड़ से घिरे रहते हैं। उनकी रईसी देखते ही बनती है। दो अन्य बाबाओं का ज़िक्र ज़रूरी है। एक हैं श्री श्री रविशंकर, जिन्होंने अपने उत्सव के लिए यमुना को बर्बाद कर दिया था। वे अन्ना हजारे के आरएसएस-समर्थित आन्दोलन से भी जुड़े हुए थे। फिर बाबा रामदेव हैं। रामदेव ने अपने करियर की शुरुआत योग गुरु के रूप में की थी। लेकिन बाद में उन्होंने पतंजलि ब्रांड नेम से व्यापार शुरू कर दिया। आयुर्वेदिक उत्पादों को बनाने और बेचने वाली इस कंपनी ने बाबा रामदेव को अरबपतियों की श्रेणी में ला खड़ा किया। बाबा रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण ने एक बड़ा साम्राज्य स्थापित कर लिया है और उन्हें चुनौती देने वाला कोई नहीं है। या कम से कम अब तक तो नहीं था। उनके आयुर्वेदिक उत्पादों का जबरदस्त प्रचार-प्रसार हुआ और मीडिया का एक बड़ा तबका उनका गुणगान करने लगा।

बाबा और आचार्य की शैक्षणिक योग्यता के बारे में हम बहुत नहीं जानते। इस समय देश में कई आयुर्वेदिक कॉलेज हैं मगर इन दोनों के पास शायद आयुर्वेद की कोई डिग्री नहीं हैं। पड़ताल से बचने के लिए रामदेव ने देशभक्ति का लबादा ओढ़ लिया और यह कहते रहे कि वे बहुराष्ट्रीय कंपनियों से मुकाबला कर रहे हैं।

असली खेल शुरू हुआ कोविड-19 महामारी के दौरान। एक ओर सरकार ने पुणे स्थित भारत बायोटेक को कोवक्सीन का विकास और उत्पादन करने हेतु भारी आर्थिक मदद उपलब्ध करवाई वहीं बाबा रामदेव ने यह दावा किया कि उनकी कंपनी ने कोविड-19 के इलाज और उससे बचाव के लिए एक दवाई विकसित की है जिसका नाम है कोरोनिल। हमें यह भी बताया गया कि कोरोनिल को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) का अनुमोदन प्राप्त है। जब आयुष मंत्रालय ने इस दावे को चुनौती दी तो पंतजलि की ओर से यह कहा गया कि कोरोनिल 'डब्लूएचओ के मार्गनिर्देशों के अनुरूप है। आयुष मंत्रालय ने कोरोनिल के बारे में दावों को सत्यापित करने से इंकार कर दिया। इसके बाद भी कोरोनिल के कांबो पैक को बड़ी धूमधाम से दो केबिनेट मंत्रियों- डॉ। हर्षवर्धन और नितिन गडकरी, की उपस्थिति में जारी किया गया। हर्षवर्धन स्वयं एलोपैथिक डाक्टर हैं। इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति से यह जाहिर है कि वे भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के कितने अंधभक्त हैं। बाबा ने दावा किया कि कोरोनिल का परीक्षण मामूली से लेकर मध्यम श्रेणी के कोविड संक्रमण से पीड़ित लोगों पर किया गया और कोरोनिल का सेवन करने के कुछ ही दिनों के भीतर उनका कोविड टेस्ट निगेटिव हो गया। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में किसी भी नई दवा को सामान्य उपयोग के लिए जारी करने के पहले उसका जैव रासायनिक विश्लेषण किया जाता है, पशुओं पर उसका परीक्षण किया जाता है और फिर समुचित आकार के नमूनों पर उसकी डबल ब्लाइंड ट्रायल की जाती है। कोरोनिल के मामले में इनमें से कुछ भी नहीं किया गया।

अपनी व्यवसायिक सफलता से गदगद बाबा रामदेव ने गोदी मीडिया की प्रशंसा को कबूल किया। इससे एक कदम आगे बढ़कर उन्होंने एलोपैथी को एक बेवकूफाना विज्ञान बताना शुरू कर दिया। इससे व्यथित होकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने रामदेव के खिलाफ प्रकरण दायर किया जिसकी सुनवाई हाल में हुई। रामदेव ने अदालत में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का अपमान करन के लिए आईएमए से क्षमायाचना की। यहां पाठकों को यह याद दिलाना श्रेयस्कर होगा कि बाबा रामदेव ने जब भ्रष्टाचार के खिलाफ भूख हड़ताल की थी तब उन्होंने यह दावा किया था कि योग के कारण उनका शरीर इतना मजबूत हो गया है कि वे लंबे समय तक बिना भोजन के रह सकते हैं। मगर उपवास प्रारंभ करने के कुछ ही दिनों के बाद उनकी हालत इतनी पतली हो गई कि उन्हें एक एलोपैथिक अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। इसी तरह करीब एक वर्ष पहले जब आचार्य बालकृष्ण बीमार पड़े तो वे एक एलोपैथिक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हो गए।

उच्चतम न्यायालय की चेतावनियों के बाद भी बाबा की कंपनी भ्रामक विज्ञापन जारी करती रही। अदालत ने उन्हें बुलाया और बाबा ने गिड़गिड़ाते हुए माफी मांगी। मगर अदालत ने उनकी माफी मंजूर नहीं की। अदालत में चल रहे प्रकरण का नतीजा चाहे जो हो सवाल यह है कि देसी चिकित्सा पद्धतियों और आस्था पर आधारित ज्ञान के आधार पर कोई भला किस तरह आधुनिक चिकित्सा पद्धति का मखौल बना सकता है? यह मानने से किसी को इंकार नहीं है कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में ही नहीं बल्कि दादी मां के नुस्खों में भी कुछ ज्ञान हो सकता है। मगर आधुनिक चिकित्सा पद्धति साक्ष्य और साथी चिकित्सकों व वैज्ञानिकों की समीक्षा पर आधारित होती है। हर दावे को हर तरह की समीक्षा और समालोचना का सामना करना पड़ता है। और इसके नतीजे में ही ऐसी चीजें विकसित होती हैं जो मानवता के लिए उपयोगी साबित होती हैं।

इसके विपरीत आस्था पर आधारित ज्ञान और उससे जुड़ी चिकित्सा प्रणालियों पर प्रश्न नहीं उठाए जा सकते। हर बाबा अपनी तरह से रोगों का इलाज करता है। चिकित्सा प्रणालियों के प्रोटोकाल में लगातार सुधार इसलिए होता रहता है क्योंकि उसकी समीक्षा करने का अधिकार सभी को होता है। इसके विपरीत रामदेव जैसे लोग अपने दैवीय दर्जे का लाभ उठाते हुए मनमाने दावे करते हैं और उन्हें न तो कोई चुनौती देता है और न कोई उनकी आलोचना करता है। बाबा ने यह दावा भी किया था कि वे कैंसर और एड्स का इलाज भी कर सकते हैं। वे तो समलैंगिकता को भी एक रोग मानते हैं और उनका दावा है कि वे इलाज से उसे ठीक कर सकते हैं।

अब तक उन्हें सत्ता का संरक्षण प्राप्त था और इसी के चलते वे इतने अहंकारी हो गए थे कि वे एलोपैथी का मजाक बनाते थे और 'अपनी प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ बताते थे। बाबा लोग इतने मजे में क्यों हैं? इसका कारण यह है कि पिछले कुछ सालों में भारत में धर्म के नाम पर राजनीति का बोलबाला बढ़ा है। इसके साथ ही प्राचीन ज्ञान का भी महिमामंडन किया जा रहा है। वैज्ञानिकता और तार्किकता में विश्वास करने वाले लोग चाहते हैं कि प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। यही बात डॉक्टर दाभोलकर, गोविंद पंसारे, एमएम कलबुर्गी और गौरी लंकेश कहते थे। और उन्हें इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। आज हमारे देश में तार्किक सोच और पद्धतियों को परे हटाकर केवल आस्था पर आधारित ज्ञान का ढोल पीटा जा रहा है। यहां तक कि शैक्षणिक संस्थाओं में भी आस्था आधारित ज्ञान विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा है। बाबा रामदेव श्रद्धा और अंधश्रद्धा के कांबो से पीड़ित रोगी समाज के लक्षण हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा की दुनिया में बाबाओं की मनमानी को रोकने का जो प्रयास किया है वह सराहनीय है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

अनंत काल तक रहेगा प्रभु राम का अस्तित्व

(लेखक - संजय गोस्वामी)

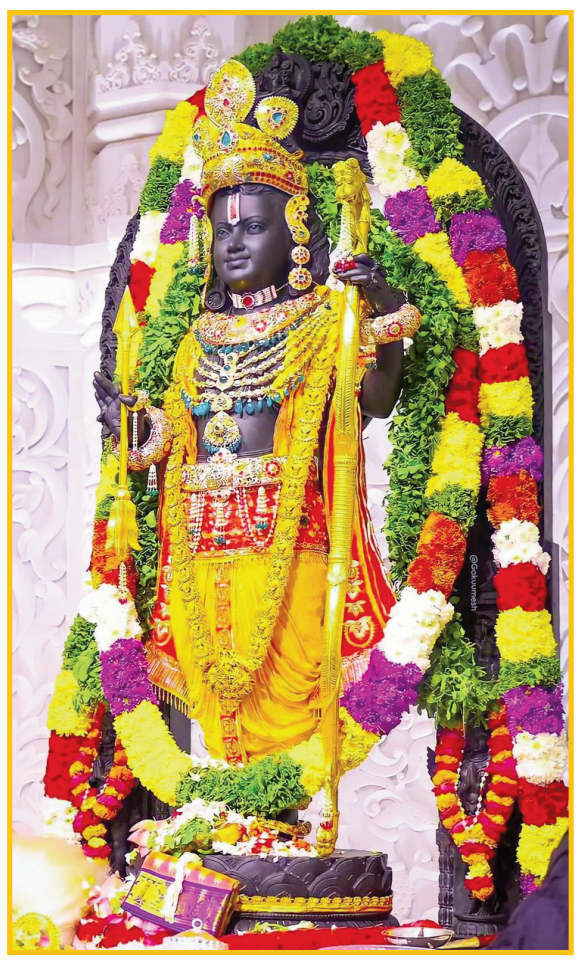

ऐसा नहीं कि जब तक सृष्टि रहेगी, तभी तक राम की दृष्टि होगी। हमारे हमारा ग्रह पृथ्वी के बनने के कारण तक भगवान श्री राम का अस्तित्व रहेगा, सृष्टि के नष्ट होने के बाद भी भगवान इस तर्क में भूल नहीं हैं। श्री राम का अस्तित्व हमेशा रहेगा क्योंकि वो ईश्वर हैं। यह बात स्वामी विवेकानंद ने कहीं थी कि श्री राम उन देवता में से हैं जिन्होंने मर्यादा का पालन किया और उनकी दया दृष्टिकोण ही उन्हें ईश्वर के समकक्ष बनाती है। यानि ईश्वर तो सिर्फ एक है, दो चार तो नहीं हैं। सेवा के लिए पहली शर्त प्रेम है, अर्थात जिसके दिल में प्रेम हैं, वही सेवा कर सकता है। टॉल्स्टॉय ने कहा है, प्रेम स्वर्ग का रास्ता है। बुद्ध का कथन है, प्रेम इंसानियत का एक फूल है और है और प्रेम उसका मधु। रामकृष्ण परमहंस ने कहा है, प्रेम संसार की ज्योति है। विक्टर ह्यूगों का कहना है, जीवन एक फल है और प्रेम उसका मधु। रामकृष्ण परंमहंस ने कहा है, प्रेम अमरता का समुदंर है। कबीर का कथन है, जिस घर में प्रेम नहीं, उसे मरघट समझ—बिना प्राण के साँस लेने वाली लुहार की धौंकनी। ढाई अक्षर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होए।। उपरोक्त पंक्ति के रचियता कबीरदास हैं। इस पंक्ति के माध्यम से ये कहना चाह रहें है कि बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुँच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। अलग—अलग शब्दों में सभी महापुरूषों ने प्रेम का बखान किया है। वास्तव में प्रम मानव-जाति की बुनियाद है। प्रेम ऐसा चुम्बक है, जो सबको अपनी ओर खींच लेता है। जिसके हृदय में प्रेम है, उसके लिए सब अपने हैं। भारतीय संस्कृति में तो सारी पृथ्वी को एक कटुम्ब माना गया है—'वसुधैव कुटुम्बकम्।'ईश्वर केवल एक है और जिन्होंने अन्तरिक्ष की व्यवस्था चला रखी हैआप उसका(भगवान) रूप देखिये हजारों साल पहले के बाद भगवान राम वैसे ही दिखेंगे जैसे पहले की तरह दिखता है जबकि मनुष्य का रूप समय के साथ बदलता है कई वर्षों के बाद यानी बचपन, जवानी और बुढ़ापाअपना दिखेगा राम कभी भी बुढ़ापा में नहीं दिखता है।, भगवान राम मानव के कल्याण के लिए अवतार लिया गया हैदेखने में उसका वास्तविक रूप मनुष्य जैसा नहीं है वो ईश्वर है औरजो सबकों प्रेम करता है, उससे बड़ा दौलतमंद कोई नहीं हो सकता। वह दूसरे के दिल में ऊँची भावना पैदा कर देता है। यदि गुस्सा होकर सूरज धूप और रोशनी न दे, धरती अन्न न दे, हवा प्राण न दे, तो सोचिए, हम लोगों की क्या हालत होगी! ईश्वर ने सारे इंसानो को एक-सा बनाया है। आदमी आदमी मे कोई अन्तर नही रक्खा। अन्तर तो स्वयं आदमी ने पैदा किया है। एक आदमी दिमाग़ से काम करता है, दूसरा शरीर से। पहले को हम बड़ा मानते है और उसे अधिक पैसा देते है, दूसरे को किसान-मजूर कहकर छोटा मानते है। और उसकी कम कीमत लगाते है। लेकिन यह न्याय नही है। जो दिमाग काम करता है, उसे भी खाने को अन्न चाहिए और अन्न बिना शरीर की मेहनत के नही मिल सकता। शरीर से काम करे वाले को दिमागी काम करने वाले का सहारा चाहिए। इस तरह दोनों एक-दूसरे के पूरक है। एक के बिना दूसरे का काम नही चल सकता। हृदय में प्रेम व राम है पर आज का समाज उन्हें एक-दूसरे का पूरक या साथी मानता कहाँ है? बुद्धि से काम करने वाला शरीर की मेहनत को छोटा और ओछा मानता है और उससे बचता है। वह मानता है कि मजूर से मेहनत लेने का उसे अधिकार है।ईश्वर सच्चिदानन्द है, असीम शक्ति का भंडार है। ईश्वर हमारे लिए एक अनन्त एवं अक्षय शक्तिस्रोत है। यदि आपका आत्मविश्वास विलुप्त हो चुका है, आप प्रभु भक्ति के द्वारा उसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं। भावपूर्ण प्रार्थना करना एक विचित्र संबल देता है। धर्मों के नाम पर परस्पर घृणा का प्रचार करनेवाले तथा युद्ध भड़कानेवाले धर्म के तत्व एवं उद्देश्य को नहीं समझते हैं। संत किसी एक धर्म के खूंटे से नहीं बँधते हैं और सत्य का सत्कार करते हैं, वह चाहे जहाँ भी प्राप्त हो। एक सच्चा मानव मंदिर, गिरजा, गुरुद्वारा, मस्जिद को समान रुप से पवित्र मानता है तथा उसे अनेक मार्गों (धर्मों) के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। अपनी व्यक्तिगत अनुभूति के आधार पर ईश्वरतत्व को पहचानना तथा अपने स्वभाव के अनुसार उसके साथ एक व्यक्तिगत नाता स्थापित करना ईश्वर-प्राप्ति का श्रेष्ठ मार्ग है।

विचार मंथन

कैसी होगी बाबा रामदेव की सार्वजनिक माफी

(लेखक - सनत जैन)

पतंजलि के विज्ञापन मामले में मंगलवार को योग गुरु स्वामी रामदेव के माफीनामे पर सुप्रीम कोर्ट में बहस हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप योग गुरु हैं। योग के क्षेत्र में आपने बहुत अच्छा काम किया है। योग के साथ-साथ आप बिजनेस भी करने लगे। न्यायमूर्ति कोहली ने कहा माफी मांगने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कोई आदेश या सेंसरशिप नहीं लगाई है। संयुक्त बैंच ने यह भी कहा कि आप बताएं, आपको माफी क्यों दी जाए? इसके बाद बाबा रामदेव और बालकृष्ण सार्वजनिक माफी मांगने के लिए सुप्रीम कोर्ट में तैयार हो गए। सुप्रीम कोर्ट ने जब बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की माफी और उसके तरीके को स्वीकार नहीं किया, तो उसके बाद सुप्रीम कोर्ट से बाबा रामदेव और बालकृष्ण सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने के लिए तैयार हुए। यह भूल उनसे अज्ञानता के कारण हुई है। आगे से हम सजग रहेंगे। बाबा के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि अभी हमने सुप्रीम कोर्ट में कुछ भी फाइल नहीं किया है। हमारे पक्षकार सार्वजनिक माफी मांगना चाहते हैं।

बाबा रामदेव ने गलत दावे करते हुए विज्ञापन जारी किए। उन्होंने गेरुआ वस्त्र को धारण करके साधु के भेष में झूठे विज्ञापन जारी किये। मॉडल के रूप में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में खुद ही अपने उत्पाद के बारे में झूठे दावे किए। शिष्यों और उपभोक्ताओं से सुनियोजित रूप से अरबों रुपए की लूट की है। सुप्रीम कोर्ट में मामले की जब सुनवाई चल रही थी। उस समय बाबा ने एक तरह से न्यायालय को चुनौती देते हुए कहा था, यदि वह गलत होंगे, तो वह फांसी पर चढ़ने और कोई भी जुर्माना भरने के लिए तैयार हैं। ऐसा कहकर उन्होंने उस समय भी धोखा देने की कोशिश की थी। बाबा ने खुले रूप से कई वर्षों तक धोखाधड़ी करके भक्तों की आस्था और उपभोक्ताओं के साथ लूटामारी की है। सही मायने में गलत विज्ञापनों के आधार पर उपभोक्ताओं को धोखा देकर लूटा गया है। पतंजलि और बाबा रामदेव को पैसा वापस लौटाने तथा सभी मीडिया चैनल और प्रिंट मीडिया के सभी समाचार पत्रों में सार्वजनिक रुप से माफीनामा प्रकाशित कराने की अपेक्षा की जा रही है।

रावण ने मां सीता का अपहरण साधु के भेष में किया था। जब राम के हाथों रावण का वध हुआ। उस समय रावण ने अपने आराध्य भगवान शिव से पूछा, उन्होंने उनकी रक्षा क्यों नहीं की। भगवान शिव ने तब रावण को कहा था, राक्षस के रूप में तुम्हें वरदान प्राप्त हुए थे। राक्षस के रूप में यदि तुम, माता सीता का अपहरण करते, तो मैं तुम्हारी रक्षा करता। तुमने साधु का वेश धारण करके सीता माता के साथ विश्वासघात किया था। जिसके कारण में तुम्हारी रक्षा नहीं कर पाया। आज सुप्रीम कोर्ट की भूमिका भी भगवान शिव की तरह है। एक आम व्यापारी के रूप में बाबा रामदेव और बालकृष्ण ने यह धोखाधड़ी की होती, तब उन्हें क्षमा मिल सकती थी। बाबा रामदेव ने भगवा वस्त्र धारण करके, साधु के भेष में, स्वयं उत्पादों का प्रचार करने के लिए मॉडल बन गए। भक्तों और उपभोक्ताओं को ठग कर, उनके साथ विश्वासघात किया है। इसकी माफी हो ही नहीं सकती है। पतंजलि और बाबा रामदेव द्वारा जो अपराध किया गया है। जिन्हें आस्था और विश्वास के नाम पर लूटा है। सुप्रीम कोर्ट को बाबा रामदेव से लूटी गई राशि वापस करने, सभी इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में जहां-जहां उन्होंने विज्ञापन प्रकाशित कराए हैं। उनके द्वारा

जो अपराध किए गए हैं। इसका उल्लेख करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो इस तरह की चालबाजी आगे भी चलती रहेगी। लोगों की आस्था और विश्वास के साथ खिलवाड़ करना अथवा इस तरह की लूट को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

आईएमएफ ने सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि का अनुमान 6.8 फीसदी किया

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2024-25 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि का अनुमान 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया। उसका कहना है देशी मांग में मजबूती के कारण वृद्धि दर अधिक रहेगी। यह आंकड़ा मोदी सरकार के 7 फीसदी वृद्धि के अनुमान से बेशक कम है, मगर आईएमएफ के पिछले अनुमान से 30 आधार अंक ज्यादा है। आईएमएफ ने विश्व आर्थिक अनुमान पर अपनी नई अपडेट रिपोर्ट में कहा, 'देसी मांग में लगातार इजाफा होने और कामकाजी उम्र वाली आबादी बढ़ने के कारण भारत में 2024 (वित्त वर्ष 25) में 6.8 फीसदी और 2025 (वित्त वर्ष 26) में 6.5 फीसदी वृद्धि होने का अनुमान है।' आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत का जीडीपी वृद्धि अनुमान 7.8 फीसदी कर दिया है, जो जनवरी की उसकी रिपोर्ट में 6.7 फीसदी बताया गया था। उसे लगता है कि वित्त वर्ष 2026 में वृद्धि धीमी होकर 6.5 फीसदी रह जाएगी, जो जनवरी के अपडेट में दी गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2023-24 के दौरान जीडीपी की वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2022-23 में यह दर 7 फीसदी थी।

अब 50 लोगों के खाने का आर्डर भी जोमैटो पूरा करेगा

नईदिल्ली। अब जोमैटो पर छोटी पूरी पार्टी के लिए आर्डर दिए जा सकेंगे। कंपनी का कहना है कि 50 लोगों तक का खाना एक साथ कंपनी डिलेवर कर सकती है। इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है।खाद्य उत्पादों के ऑनलाइन आपूर्ति मंच जोमैटो ने 50 लोगों तक की भागीदारी वाले कार्यक्रमों के लिए सामान पहुंचाने के इरादे से मंगलवार को देश में पहली बार बड़े ऑर्डर का एक अलग दस्ता शुरू करने की घोषणा की। जोमैटो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने कई पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बड़े ऑर्डर की आपूर्ति के लिए बना यह खास दस्ता पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करेगा।गोयल ने कहा, ''आज हम भारत का पहला बड़ा ऑर्डर दस्ता पेश करने के लिए रोमांचित हैं। यह दस्ता सामूहिक बड़े समूह, पार्टी एवं आयोजन जैसे आपके सभी बड़े ऑर्डर को आसानी से संभाल पाएगा। पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित यह दस्ता 50 लोगों तक के लिए ऑर्डर पहुंचाने के लिए बनाया गया है।'' हालांकि, गोयल ने कहा कि इस दस्ते के लिए निर्धारित इलेक्ट्रिक वाहनों पर अभी काम चल रहा है और जोमैटो इनमें कूलिंग उपकरण और तापमान नियंत्रण वाले बॉक्स जैसे हिस्सों को जोड़ने की दिशा में काम कर रही है।

इलेक्ट्रिक स्कूटरों की 16,000 तक बढ़ी कीमतें

-एथर, बजाज, टीवीएस और विडा ने बढ़ाए दाम

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनियों को दी जाने वाली सब्सिडी कम कर दी है। इस वजह से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों ने अपने वाहनों की कीमत बढ़ाना शुरू कर दी हैं। एथर, टीवीएस, विडा और बजाज समेत कई अन्य इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों ने कीमत में 16,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। हालांकि, ओला इलेक्ट्रिक ने कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा नहीं की है। फिलहाल, कंपनी फेस्टिवल ऑफर में अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर बेच रही है। ईएमपीएस के तहत सरकार ने 500 करोड़ रुपये की सब्सिडी का फंड तैयार किया है। इसमें इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा पर नई सब्सिडी निर्धारित की गई है। इसमें इलेक्ट्रिक 4-व्हीलर्स को शामिल किए जाने की फिलहाल जानकारी नहीं दी गई है। नई योजना के तहत इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के लिए सब्सिडी 22,500 रुपये से घटाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है। वहीं, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा के लिए सब्सिडी 25,000 रुपये और अधिक बैटरी क्षमता वाले इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स के लिए 50,000 रुपये निर्धारित की गई है। बता दें कि 31 मार्च, 2024 को फेम-2 सब्सिडी स्कीम (फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स) को समाप्त हो गया है।

एप्पल से दुनिया की नंबर वन कंपनी होने का ताज छिना

सैमसंग बनी दुनिया की नंबर वन कंपनी

नई दिल्ली । जानीमानी कंपनी एप्पल से दुनिया नंबर वन मोबाइल कंपनी होने का ताज छिन गया है। यह स्थान अब सैमसंग कंपनी ने हासिल कर लिया है। एप्पल के स्मार्टफोन शिपमेंट में 2024 की पहली तिमाही में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई है। आईडीसी की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच वैश्विक स्तर पर मोबाइल का शिपमेंट 7.8 प्रतिशत बढ़कर 28.9 करोड़ हो गया है। वहीं, कोरियाई कंपनी सैमसंग का मार्केट शेयर इसमें 20.8 प्रतिशत का रहा है, जो कि एपल से ज्यादा है। एपल के आईफोन की बिक्री में दिसंबर तिमाही के जोरदार प्रदर्शन के बाद गिरावट देखने को मिली है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सैमसंग को पछाड़ कर एपल दुनिया की नंबर वन मोबाइल कंपनी बन गई थी लेकिन बीती तिमाही में कंपनी 17.3 प्रतिशत के मार्केट शेयर के बाद दोबारा से दूसरे नंबर पर आ गई है। चीनी मोबाइल ब्रांड शाओमी 2024 की पहली तिमाही में 14.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर कायम है। इस अवधि के दौरान 60 मिलियन से अधिक फोन शिप किए हैं।इस बीच एप्पल ने 50.1 मिलियन आईफोन की शिपिंग की, जो पिछले साल की समान अवधि की 55.4 मिलियन यूनिट से कम है। बता दें, एपल के मोबाइल के शिपमेंट में गिरावट चीनी सरकार उस निर्णय के बाद आई है, जब चीनी कंपनियों और सरकारी एजेंसियों में एपल के मोबाइल उपयोग को लिमिट कर दिया गया है। वहीं, अन्य चीनी ब्रांड हुआवेई जैसे चीनी ब्रांडों के मार्केट शेयर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है सैमसंग की ओर से साल की शुरुआत में अपना नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन लाइनअप - गैलेक्सी एस 24 सीरीज को लॉन्च किया था।

इलेक्ट्रिक स्कूटरों की 16,000 तक बढ़ी कीमतें

-एथर, बजाज, टीवीएस और विडा ने बढ़ाए दाम

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनियों को दी जाने वाली सब्सिडी कम कर दी है। इस वजह से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों ने अपने वाहनों की कीमत बढ़ाना शुरू कर दी हैं। एथर, टीवीएस, विडा और बजाज समेत कई अन्य इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों ने कीमत में 16,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। हालांकि, ओला इलेक्ट्रिक ने कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा नहीं की है। फिलहाल, कंपनी फेस्टिवल ऑफर में अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर बेच रही है। ईएमपीएस के तहत सरकार ने 500 करोड़ रुपये की सब्सिडी का फंड तैयार किया है। इसमें इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा पर नई सब्सिडी निर्धारित की गई है। इसमें इलेक्ट्रिक 4-व्हीलर्स को शामिल किए जाने की फिलहाल जानकारी नहीं दी गई है। नई योजना के तहत इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के लिए सब्सिडी 22,500 रुपये से घटाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है। वहीं, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा के लिए सब्सिडी 25,000 रुपये और अधिक बैटरी क्षमता वाले इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स के लिए 50,000 रुपये निर्धारित की गई है। बता दें कि 31 मार्च, 2024 को फेम-2 सब्सिडी स्कीम (फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स) को समाप्त हो गया है।

वेदांता लिमिटेड को 27.97 करोड़ रुपए का जीएसटी टैक्स का नोटिस

नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड को जीएसटी टैक्स का नोटिस मिला है। कंपनी ने बताया कि वेदांता को वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2020-21 की अवधि के लिए 27.97 करोड़ रुपए के जीएसटी के जुर्माने का आदेश मिला है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ये फाइन वित्त वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक के इनपुट टैक्स क्रेडिट रीकॉन्सिलेशंस से जुड़े विवाद से संबंधित है। कंपनी का कहना है कि वे इस विवाद से जुड़े मामले को निपटाने के लिए अपीलीय प्राधिकारियों के साथ आदेश के बारे में अपील करेगी। कंपनी ने इस मामले को लेकर अपने स्टेकहोल्डर्स को एक संबोधन में भरोसा दिलाया कि इस जुर्माने का उन पर कोई भौतिक वित्तीय प्रभाव उन पर पड़ने की आशंका नहीं है। स्टेकहोल्डर्स को किए गए संबोधन में कंपनी ने कहा, 'कंपनी का उक्त आदेश के खिलाफ अपीलीय प्राधिकारियों के पास अपील दायर करने का इरादा है।

रियल पी1 5जी सीरीज़ के दो फोन लॉन्च

-रियल पी1 5जी और रियल पी1 प्रो 5जी फोन शामिल

नई दिल्ली ।

भारत में चाइनीज कंपनी रियलमी ने अपने मिड-रेंज सेगमेंट के रियल पी1 5जी सीरीज़ के दो फोन लॉन्च कर दिए हैं। इसमें रियल पी1 5जी और रियल पी1 प्रो 5जी शामिल है, जिनकी शुरुआती कीमत रुपए 15,999 रखी गई है। रियल पी1 5जी के 6जीबी रैम/128जीबी वेरिएंट की कीमत रुपए 15,999 और 8जीबी रैम/256जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत रुपए 18,999 रखी गई है।

रियल पी1 प्रो 5जी के 8जीबी रैम/128जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत रुपए 21,999 और 8जीबी रैम/256जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत रुपए 22,999 रखी गई है। रियल पी1 5जी पीकॉक ग्रीन और फीनिक्स रेड कलर में उपलब्ध होगा। इस बीच रियल पी1 प्रो 5जी पैरट ब्लू और फीनिक्स रेड कलर ऑप्शन में उपलब्ध कराया जाएगा। आइए जामते हैं कैसे हैं दोनों फोन के सभी स्पेसिफिकेशंस के बारे में। रियल पी1 और रियल पी1 प्रो 5जी में 6.67 इंच का फुल एचडी+ अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जिसका रेजोलूशन 2400 गुना 1080 पिक्सल, 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 240एचझेड टच सैंपलिंग रेट और 2000 निट्स पीक ब्राइटनेस है। दोनों फोन एंड्रॉयड 14 ऑपरेटिंग सिस्टम पर बेस्ड रियलमी यूआई 5.0 पर चलते हैं। इसके अलावा रियलमी ने इस डिवाइस के साथ 3 साल के ओएस अपडेट और 4 साल के सुरक्षा पैच देने का वादा भी किया है।

कैमरे के तौर पर बेस वेरिएंट में एफ/1.8 अपर्चर वाला 50-मेगापिक्सल का सोनी एलवायटी600 प्राइमरी कैमरा और 2-मेगापिक्सल बी एंड डबल्यू सेकेंडरी सेंसर है। रियल पी1 प्रो में पीछे की तरफ समान प्राइमरी

कैमरा है, जिसके साथ 8-मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट सेंसर भी है। सेल्फी के लिए फ्रंट में 16 मेगापिक्सल का सेंसर है। पावर के लिए फोन में 5000 एमएएच की बैटरी है, जो कि 45वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है।रियल पी1 पमीडियाटेक डाइमेंशन 7050 एसओसी द्वारा संचालित है, जबकि इसका प्रो वेरिएंट क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 6 जेन 1 एसओसी से लैस है। इसका चिपसेट 8जीबी एलपीडीडीआर4गुणा रैम और 256जीबी यूएफएस 3.1 स्टोरेज है।

कई उपायों के बाद भी कम हुआ दाल का उत्पादन .....चिंतित मोदी सरकार

मांग को पूरी करने दाल आयात करने की तैयारी

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार की ओर से किसानों को प्रोत्साहन देने के बावजूद आयातित दालों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है। हमें घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में दलहन उत्पादों का आयात करना पड़ रहा है। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में दालों का आयात लगभग दोगुना हो गया और 3.74 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि आधिकारिक आंकड़े अब भी आने बाकी हैं लेकिन शिपमेंट्स से पता चलता है कि करीब 45 लाख टन दाल का आयात किया गया। इससे पिछले साल यह आंकड़ा 24.5 लाख टन का था।

मोदी सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि घरेलू बाजार में दलहन के मांग की पूर्ति और कीमतों को स्थिर रखने के लिए ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे नए बाजारों के साथ दीर्घकालिक समझौते पर बातचीत कर रहा है। ब्राजील से 20,000 टन उड़द का आयात होना है, जबकि अर्जेंटीना से अरहर के आयात के लिए बातचीत लगभग अंतिम पड़ाव पर है। सरकार ने दालों के आयात के लिए मोजाम्बिक, तंजानिया और म्यांमार से भी संपर्क किया है। मोदी सरकार का मानना हैं दालों के आयात में वृद्धि से घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे कीमतें स्थिर सकतीं हैं। इसके पहले मोदी

सरकार ने पीले मटर के आयात को जून तक ड्यूटी फ्री कर दिया है। वहीं, अरहर और उड़द का आयात 31 मार्च 2025 तक कर मुक्त कर दिया गया है। कीमतों पर नियंतण के लिए 15 अप्रैल (सोमवार) को दालों के स्टॉक के लिए लिमिट तय कर दी है। मोदी सरकार ने राज्यों से कहा है कि वे भी जमाखोरी रोकने के लिए सतर्क रहें। मोदी सरकार की चिंता कारण यह है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। कृषि मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार इस साल दलहन का उत्पादन 234 लाख टन रह सकता है। पिछले साल 261 लाख टन दलहन का उत्पादन हुआ था।

ओला ने ई-स्कूटर की एस1 एक्स रेंज की कीमतों में की कटौती

- एस1 एक्स पोर्टफोलियो की कीमत अब 69,999 रुपये

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने डिलीवरी ब्योरे के साथ अपने ई-स्कूटर की एस1 एक्स रेंज की नई कीमतों की घोषणा की। इसमें तीन बैटरी कॉन्फ़िगरेशन-2 केडब्ल्यूएच, 3 केडब्ल्यूएच, 4 केडब्ल्यूएच में उपलब्ध, एस1 एक्स पोर्टफोलियो की कीमत अब 69,999 रुपये से शुरु होकर 84,999 और 99,999 रुपये होगी। इसकी डिलीवरी अगले हफ्ते से शुरू हो जाएगी। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि पूरे देश में ईवी की पहुंच और बढ़ेगी। इसके अलावा, कंपनी ने एस1 प्रो, एस1 एयर और एस1 एव स+ के लिए नई कीमतों की घोषणा की, जो 1,29,999 रुपये, 1,04,999 रुपये और 84,999 रुपये में उपलब्ध होंगी। ओला कंपनी के मुताबिक 6 किलोवाट मोटर द्वारा संचालित स्कूटर 3.3 सेकंड में 0-40 किमी प्रतिघंटा की गति देता है और 4केडब्ल्यूएच और 3केडब्ल्यूएच मॉडल में 90 किमी प्रति घंटे की तेज गति प्रदान करता है और 2केडब्ल्यूएच वेरिएंट में 4.1 सेकंड और 85 किमी प्रति घंटे की गति से चलता है। स्कूटर में तीन राइडिंग मोड हैं -इको, नॉर्मल और स्पोर्ट्स और राइडर्स इनके बीच आसानी से स्विच कर सकते हैं।

बिक्री में कमी के कारण टेस्ला के शेयरों में बढ़ी गिरावट जारी

मुंबई ।

एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के शेयर में 2024 में जबरदस्त गिरावट दिख रही है। कंपनी के शेयर में गिरावट की वजह सेल्स ग्रोथ में कमी को माना जा रहा है, जिस वजह से हाल में कंपनी ने अपनी ग्लोबल वर्क फोर्स में करीब 10 प्रतिशत की कटौती की है। अमेरिकी शेयर में लिस्टेड टेस्ला के स्टॉक में कारोबारी सत्र में 2.7 प्रतिशत की गिरावट हुई और यह फिसलकर 157.11 डॉलर पर बंद हुआ। इस कारण टेस्ला की मार्केट कैप 500 अरब डॉलर से नीचे चली गई। 2024 की शुरुआत से अब तक टेस्ला के शेयर में 37 प्रतिशत की गिरावट हुई है। 2024 में एसएंडपी 500 इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में ये दूसरे नंबर पर है। इस कारण शेयरधारकों की वेल्थ में 290 अरब डॉलर की गिरावट हुई है। रिपोर्ट में बताया गया कि टेस्ला के शेयर ने पिछले एक साल में इतनी कमजोर गिरावट नहीं दी है। इस महीने की शुरुआत में टेस्ला ने 2024 की पहली तिमाही के बिक्री के आंकड़े

पेश किए थे। इससे टेस्ला के ग्रोथ स्टोरी पर शंका के बादल छा गए हैं।

साथ ही अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी ने सस्ती ईवी बनाने के प्लान को रद्द कर दिया है। कंपनी फिलहाल रोबोटैक्सी पर फोकस करेगी। कंपनी अगस्त में पेश कर सकती है। हाल ही में चीनी कंपनी बीवाईडी टेस्ला को पछाड़ कर दुनिया की नंबर वन इलेक्ट्रिक कार कंपनी बन गई है। इस कारण कंपनी को ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कीमतों को घटाना पड़ रहा है।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में नहीं हुआ अधिक बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच ही देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर हैं और इनमें ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है। सबसे कम कीमत पर पेट्रोल पोर्टब्लेयर में 82.42 रुपये और डीजल 78.01 रुपये लीटर बिक रहा है। हालांकि, देश में ईंधन की कीमतें स्थिर हैं और इनमें ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर पर है। मेरठ में पेट्रोल 94.43 और डीजल 87.49 रुपये लीटर जबकि जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये पर है।दूसरी ओर महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये

प्रति लीटर है।वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल के पार है, वहीं इसके 100 डॉलर तक जाने की संभावना है। आज ब्रेंट क्रूड 90.03 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 85.35 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा था।

जी इंटरटेनमेंट का शेयर एफएंडओ से बाहर, 6 महीने में 42 फीसदी से ज्यादा गिरे शेयर

नई दिल्ली।

जी इंटरटेनमेंट का शेयर बीते कुछ दिनों से काफी चर्चा में हैं। जबसे जी इंटरटेनमेंट और सोनी का सफलतापूर्वक मर्जर नहीं हो पाया तब से ही कंपनी चर्चा में बनी हुई है। एनएसई की ओर से कहा गया है कि ज़ी एंटरटेनमेंट के लिए नए एक्सपायरी महीनों के कॉन्ट्रैक्ट मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट महीनों की एक्सपायरी पर जारी नहीं किए जाएंगे। ज़ी को सेबी सर्कुलर के आधार एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट से बाहर रखा गया है। इसके तहत अब ज़ी के शेयर 28 जून 2024 से ट्रेड के लिए कोई कॉन्ट्रैक्ट मौजूद नहीं होगा। हालांकि अप्रैल, मई और जून 2024 में ज़ी के मौजूदा बिना खत्म हुए कॉन्ट्रैक्ट ट्रेड के लिए अवेलेबल होंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने जी इंटरटेनमेंट के एफएंडओ सौदों पर रोक लगा दी है। एक्सचेंज ने कहा कि वह मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट की एक्सपायरी के बाद कंपनी के लिए नए एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट जारी करना बंद कर देगा।सोनी के मर्जर की खबरों के चलते बीते काफी समय से कंपनी के शेयर में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। कंपनी के शेयर में काफी गिरावट भी दर्ज की गई है। इस साल यानी 2024 की बात करें तो शेयर की कीमत में 48 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। पिछले 6 महीने में शेयर 42फीसदी से ज्यादा लुढ़का है। नैशनल कंपनी लॉ अपील ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने सोमवार को कहा कि ज़ी-सोनी के विलय को चुनौती देने वाली याचिका पर वह 17 मई को सुनवाई करेगा। ऐक्सिस फाइनैंस और आईडीबीआई ने विलय को एनसीएलएटी में चुनौती दी है। सुनवाई से पहल आईडीबीआई और ऐक्सिस फाइनैंस एनसीएलटी के फैसले का इंतजार करना चाहती हैं। उन्होंने अपील ट्रिब्यूनल से अनुरोध किया है कि एनसीएलटी के मुंबई पीठ में विलय को आगे बढ़ाने वाली ज़ी की याचिका पर फैसले तक इंतजार किया जाना चाहिए। एनसीएलटी के मुंबई पीठ में दाखिल याचिका लंबित है और इस पर 25 अप्रैल को सुनवाई हो सकती है। आईडीबीआई बैंक की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि एनसीएलटी में ज़ी की याचिका पर होने वाला फैसले का इस पर असर होगा क्योंकि यह विलय का भविष्य तय करेगा।

वोडाफोन आइडिया ने एंकर निवेशकों से जुटाए 5,400 करोड़ रुपये

नई दिल्ली।

वोडाफोन आइडिया ने 5,400 करोड़ रुपये जुटाने के लिए एंकर निवेशकों को 11 रुपये प्रति शेयर (प्राइस बैंड के टॉप-एंड) पर 4.9 बिलियन शेयर अलॉट किए हैं। एंकर कैटेगरी में कुल 74 अलग-अलग स्कीम्स में शेयर अलॉट किए गए। अमेरिका की जीक्यूजी पार्टनर्स ने 1,347 करोड़ रुपये मूल्य का सब्सक्रिप्शन लिया जो कि एंकर कैटेगरी का करीब एक चौथाई हिस्सा है। वोडाफोन आइडिया की 'पूंजी जुटाने वाली समिति की मंगलवार रात 11:45 बजे खत्म हुई बैठक के बाद अलॉटमेंट का फैसला किया गया। फॉलो ऑन पब्लिक ऑफरिंग खुलने से एक दिन पहले एंकर अलॉटमेंट किया जाता है। क्योंकि बुधवार को बाजार में छुट्टी है, इसलिए वीआईएल का 18,000 करोड़ रुपये का एफपीओ, जो कि भारत का अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ है, गुरुवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और सोमवार को बंद होगा। एंकर अलॉटमेंट पेटीएम (8,325 करोड़ रुपये) और एलआईसी (5,627 करोड़ रुपये) के बाद अब तक का तीसरा सबसे बड़ा अलॉटमेंट था। कुल एंकर बुक में से 16.2 प्रतिशत कुल 11 स्कीम्स के माध्यम से पांच घरेलू म्यूचुअल फंड को आवंटित किया गया था।

बाजार के एक्सपर्ट्स का कहना है कि एंकर कैटेगरी में अच्छी डिमांड से संकटग्रस्त टेलीकॉम कंपनी के एफपीओ के प्रति सेंटिमेंट बदलेगा। वीआईएल ने एफपीओ के लिए मूल्य-बैंड 10-11 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया है। वीआईएल के शेयर पिछली बार 12.9 रुपये पर बंद हुए, जो पिछले बंद के मुकाबले 1.9 फीसदी कम है। मूल्य बैंड का ऊपरी सिरा मौजूदा स्टॉक मूल्य से लगभग 15 प्रतिशत नीचे है। 18,000 करोड़ रुपये में से, वीआईएल ने मौजूदा और नई 4जी साइटों की क्षमता बढ़ाने और नई 5जी साइटें स्थापित करने पर 12,750 करोड़ रुपये खर्च करने का प्लान है। दूरसंचार विभाग और जीएसटी विभाग को स्पेक्ट्रम के लिए स्थगित भुगतान पर लगभग 2,175 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

आईपीएल में आज होगा पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस का मुकाबला

मोहाली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में गुरुवार को पंजाब किंग्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। इसलिए किसकी दावेदारी प्रबल है ये कहा नहीं जा सकता है। दोनो ही टीमें ये मुकाबला जीतकर लय हासिल करना चाहेंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच खेले हैं। इसमें उन्हें दो-दो में जीत मिली है। इस प्रकार दोनों टीमों के चार-चार अंक है।

दोनों ने अपने पिछले मैच हारे हैं, इसलिए दबाव दोनो पर ही रहेगा। पंजाब के लिए ये मैच आसान नहीं होगा क्योंकि उसके कप्तान शिखर धवन कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। धवन ने इस सत्र में काफी अच्छी बल्लेबाजी की है और उनकी कमी पूरी करना टीम के लिए मुश्किल रहेगा। अब देखना है कि उसका शीर्ष क्रम किस प्रकार बल्लेबाजी करता है। इस सत्र में पंजाब की टीम के लिए दो नये खिलाड़ियों शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर ये दोनों निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं। सैम कुरेन इस मैच में पंजाब टीम की कप्तानी करेंगे।

टीम की चिन्ता प्रमुख बल्लेबाज प्रभसिमरन के खराब फार्म से बढ़ गयी है।

प्रभसिमरन ने अब तक छह मैच में 19.83 की औसत से केवल 119 रन ही बनाये हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वह अब तक छह मैच में 17.66 की औसत से मात्र 106 रन बना सके हैं। टीम की ओर से सैम कुरेन और कागिसो रबादा ने अच्छी गेंदबाजी की है। इसके अलावा अर्शदीप सिंह और हर्षल पटेल का भी प्रदर्शन पिछले कुछ मैचों से ठीक हो रहा है।

वहीं दूसरी ओर कप्तान हार्दिक पंड्या की मुम्बई भी किसी प्रकार से जीत की राह पर लौटना चाहेगी। टीम के पास काफी अच्छे खिलाड़ी हैं पर निरंतरता की कमी से उसे नुकसान हुआ है। इसके अलावा टीम एक

इकाई के तौर पर प्रदर्शन नहीं कर पायी है। टीम को इसी कारण रोहित शर्मा के शतक के बाद भी पिछले मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा कप्तान हार्दिक को भी गेंद और बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इस ऑलराउंडर ने अब तक 12 की इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की है। वहीं बल्लेबाजी में भी वह विफल रहे हैं। टीम के लिए ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

टीम

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, मोहम्मद नबी, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, गेराल्ड कोएत्जी, श्रेयस गोपाल, जसप्रित बुमराह।

पंजाब किंग्स- सैम कुरेन (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो, अथर्व तायदे, प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शशांक सिंह, हरप्रीत बराड़, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह, कगिसो रबाडा।

हरमनप्रीत की कप्तानी में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम बांग्लादेश दौरे पर पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। ये सिरीज 28 अप्रैल से शुरू होगी। इसके लिए भारतीय महिला टीम में स्पिनर आशा शोभना और बल्लेबाज साजना सजीवन को भी शामिल किया गया है। शोभना ने महिला आईपीएल में आरसीबी की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। शोभना ने दस मैचों में 12 विकेट लिये थे। वहीं सजीवन ने इसी लीग में मुंबई इंडियंस की ओर से सेमीफाइनल में 74 रन बनाये थे। ये सीरीज इस साल के अंत में टी20 बांग्लादेश में होने वाले विश्व कप को देखते हुए अहम रहेगी। सभी पांच मैच सिलहट में होंगे। आरसीबी की श्रेयांका पाटिल भी टीम में है जबकि डी हेमलता ने अक्टूबर 2022 के बाद वापसी की है। मैच 28, 30 अप्रैल, दो मई, छह मई और नौ मई को खेले जायेंगे। टीम इस प्रकार है - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, डी हेमलता, साजना सजीवन, रिचा घोष, यास्तिका भाटिया, राधा यादव, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, साइका इशाक, आशा शोभना, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधू।

कोहली का ऑरेंज कैप और चहल का पर्पल कैप पर कब्जा बरकरार

-आईपीएल अंकतालिका में राजस्थान शीर्ष, केकेआर दूसरे नंबर पर

कोलकाता (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने सात मैचों में केवल एक जीत के साथ ही अंकतालिका में सबसे निचले पायदान पर है पर उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सबसे अधिक रनों के साथ ही ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। विराट ने अब तक 300 से अधिक रन बनाये हैं। कोहली ने 7 मैचों में कुल 361 रन बनाए हैं। जबकि रियान पराग 318 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो राजस्थान की तरफ से खेलने वाले यजुवेन्द्र चहल बटलर 12 विकेट लेकर पहले स्थान पर हैं और पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। चहल को मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से प्रतिस्पर्दा मिल रही है जिन्होंने अब तक 10 विकेट लिए हैं।

वहीं टीमों की अंक तालिका की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स 12 अंक लेकर नंबर एक पर कायम है। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स 8 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने सात मैचों में केवल एक जीत के साथ सबसे निचले स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद से मिली हार के बाद उसका नेट रन रेट भी नीचे आया है।

राजस्थान रॉयल्स टूर्नामेंट में घर और बाहर दोनों जगह नियमित रूप से जीत हासिल की है। वे प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए मजबूती से खड़े हैं। वहीं लखनऊ सुपर जाइंट्स और गुजरात टाइटंस अभी भी अंकों के मामले में पीछे हैं। केकेआर, सीएसके और सनराइजर्स हैदराबाद अगर तालिका में दूसरा स्थान सुरक्षित करना चाहते हैं और फाइनल के लिए जगह बनाना चाहते हैं तो उन्हें आने वाले मुकाबले जीतने होंगे।

सुनील नारायण खेल सकते हैं टी20 विश्वकप, संन्यास से हो सकती है वापसी

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के धाकड़ बल्लेबाज सुनील नारायण की मौजूदा फार्म को लेकर ऐसे कयास और संकेत है कि वह आगामी टी-20 विश्वकप के लिए वेस्टइंडीज की टीम में वापसी करेंगे। केकेआर और आरआर के बीच खेले गये मैच के बाद नारायण ने कहा, 'अभी तो फिलहाल मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया हुआ है, लेकिन देखते हैं कि भविष्य में क्या होगा।'

वेस्टइंडीज के टी-20 कप्तान और इस मैच में नारायण के विपक्षी खिलाड़ी रोवमन पॉवेल ने भी कल के मैच के बाद स्वीकार किया कि वह लगातार नारायण के फैसले को बदलवाने की प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले 12 महीनों से मैं लगातार नारायण के कानों में फुसफुसा रहा हूं कि वह संन्यास से वापसी कर लें। हालांकि वह किसी की नहीं सुनते। मैंने इस बारे में कायरन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो और निकोलस पूरन से भी बात की है। उम्मीद है कि जब तक टीम का चयन होगा, तब तक नारायण और सब लोग मिलकर इस पर फैसला करेंगे।' उन्होंने कहा, 'टीम का मनोबल बहुत ऊंचा है। जब मैं खेल भी नहीं रहा होता हूं, तब भी टीम प्रबंधन के लोग मुझसे एक स्पष्ट वार्तालाप करते हैं। मैंने उनसे कहा है कि मैं वेस्टइंडीज के लिए चार या पांच नंबर पर बल्लेबाजी करता हूं, इसलिए मुझे ऊपर भी भेजा जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि नारायण ने पिछले वर्ष नवंबर में संन्यास लिया था और कहा था कि वह घर पर बैठकर ही टी-20 विश्वकप का लुफ्त उठाएंगे।

जोस बटलर विशेष खिलाड़ी, लेकिन कोई उनकी बात नहीं करता : हरभजन सिंह

मुंबई (एजेंसी)। ईडन गार्डन में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाजी जोस बटलर ने दबाव वाली स्थिति से अपनी टीम को बाहर निकालकर शतक लगाया और साथ ही टीम को जीत भी दिलाई। बटलर का यह सीजन में दूसरा शतक है। दोनों बार वह टीम को जीत दिलाने में सफल रहे। बटलर आईपीएल में अब तक 7 शतक लगा चुके हैं। वह जब शतक लगाते हैं उनकी टीम जीत हासिल करती है। बटलर की इसी खासियत से भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह भी खुश दिखे। उन्होंने बटलर को विशेष खिलाड़ी कहा।

हरभजन ने कहा कि उन्हें भारतीय खिलाड़ी की तुलना में उतनी सराहना नहीं मिलती। जितनी मिलनी चाहिए। वह एक विशेष खिलाड़ी हैं। वह एक अलग दर्जे का खिलाड़ी हैं। जॉस बटलर ने ऐसा पहली बार नहीं किया है। उन्होंने ऐसा कई बार किया है और हम उन्हें आगे भी कई बार यह काम करते हुए देखेंगे। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। हम शायद उनके बारे में ज्यादा बात नहीं करते क्योंकि वह भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं।

अनुभवी स्पिनर ने आगे कोहली और महेंद्र सिंह धोनी का उदाहरण दिया और सुझाव दिया कि बटलर को भी वही सम्मान दिया जाना चाहिए। भारत के पूर्व स्पिनर ने कहा कि अगर विराट कोहली ने यह शतक बनाया होता, तो हम दो महीने तक उनकी प्रशंसा करते, जैसे हम एमएस धोनी के चार (3) छक्कों के बारे में बात करते हैं। हमें उनका जश्न उसी तरह मनाना चाहिए जैसे हम अपने खिलाड़ियों का जश्न मनाते हैं क्योंकि वह भी खेल के दिग्गजों में से एक है।

धर्मशाली स्टेडियम हुआ अत्याधुनिक, पहली हाइब्रिड पिच बनी : एचपीसीए

मुम्बई। खूबसूरत वादियों में घिरे हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में अब देश की पहली अत्याधुनिक हाइब्रिड पिच भी बनायी गयी है। अब धर्मशाला स्टेडियम बीसीसीआई की मान्यता प्राप्त पहला स्टेडियम बन गया है जिसमें ये हाइब्रिड पिच बनायी गयी है। इस पिच पर आईपीएल के दो मैच भी खेले जाने हैं। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) अध्यक्ष आर पी सिंह ने कहा कि नीदरलैंड की एसआईएस ग्रास कंपनी ने ये पिच बनायी है। ये पिच अधिक टिकाऊ, स्थिर रहेगी और इसका प्रदर्शन भी अच्छा रहेगा। साथ ही कहा, '' हाइब्रिड पिच तकनीक के आने से देश में क्रिकेट को काफी लाभ होगा।'' पारंपरिक सतहें कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सामना नहीं कर सकती हैं और जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे खिलाड़ियों के लिए अभ्यास के अवसर कम हो हो जाते हैं जबकि हाइब्रिड पिच लंबे समय तक चलती है इसलिए कोई परेशानी नहीं आती। वहीं एसआईएस कंपनी के अंतरराष्ट्रीय निदेशक पॉल टेलर ने कहा ,''भारत में हमने अपने साझेदार पिच विशेषज्ञ ग्रेटर टेन के साथ मिलकर एसआईएस ग्रास हाइब्रिड पिच जैसी अत्याधुनिक पिच तैयार की है। इससे भारतीय मैदान पर क्रिकेट खेलना और बेहतर होगा।'' हाइब्रिड पिच में मैदान के अंदर की कुदरती टर्फ के साथ कुछ फीसदी पोलीमर फाइबर भी होता है। इससे पिच टिकाऊ रहती है और इस पर समान उछाल भी मिलता है। इसके साथ ही ये लंबे समय तक खराब नहीं होती और इसका रखरखाव भी आसान होता है। एचपीसीए आधुनिक तकनीकी अपनाने में आगे रहा है और इस आर भी उसने अन्य क्रिकेट बोर्डों को पीछे छोड़ दिया है।

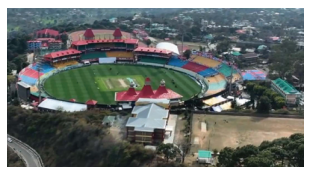

गांगुली ने अपनी किताब में पाक तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को लेकर अहम खुलासे किये

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों से उनकी दोस्ती हुई। गांगुली के अनुसार इनमें वसीम अकरम, इंजमाम उल हक और शोएब अख्तर जैसे खिलाड़ी थे। गांगुली ने अपनी किताब 'वन सेंचुरी इज नॉट इनफ में भी इसका जिक्र किया है। सौरव के अनुसार, 2004 की भारत-पाकिस्तान क्रिकेट सीरीज के दौरान एक बार उन्होंने दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को रावलपिंडी के वनडे मैच से पहले रात 11 बजे अकेले गेंदबाजी का अभ्यास करते हुए देखा था जिससे उन्हें हैरानी भी हुई थी। पहले लगा कि वह बेहद गंभीर हैं। बाद में मुझे लगा कि हमने इस मैच से पहले हमने उन्हें पटरी से उतारने की बात कही थी शायद उसी के डर से वह अभ्यास कर रहे थे। उन्होंने इस वाकये के साथ ही कई अन्य बातों के बारे में भी अपनी किताब में बताया है। सौरव ने इस किताब में लिखा, 'पाकिस्तान के साथ इतने लंबे समय तक खेलने के दौरान मेरे कई दोस्त बन गए। वसीम, वकार, इंजमाम उल हक और शोएब अख्तर के साथ मेरा पहला सामना ईडन गॉर्डंस पर हुआ जहां उसने एक के बाद एक गेंदों पर सचिन और द्रविड़ को आउट करके भारतीय टीम को झटका दिया है। जब हम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर थे तो शोएब ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को लिखकर सीनियर प्लेयर्स के बराबर वेतन दिए जाने की मांग की थी। तब मैं इस नए गेंदबाज के आत्मविश्वास को देखकर हैरान था जबकि तब उसने केवल चार-पांच टेस्ट खेले थे और अपनी तुलना वसीम और वकार से कर रहा था। ' सौरव आगे लिखते हैं, 'शोएब पाकिस्तानी-ब्रिटिश एक्सेंट की अंग्रेजी बोलते हैं जिससे समझना कठिन हो जाता था। कई बार मुझे समझ ही नहीं आता था कि वह क्या बोल रहा है।'

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में नये चेहरों की संभावना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए इस महीने के अंत तक जब भारतीय टीम को अंतिम रूप दिया जायेगा तो इसमें आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले किसी नये खिलाड़ी को चुने जाने की संभावना नहीं है लेकिन कुछ परखे हुए क्रिकेटरों को निराशा का सामना करना पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अस्थायी 15 सदस्यीय टीम घोषित करने के लिए एक मई की तारीख तय की है जिससे अजीत अगरकर और उनके साथियों को टीम के प्रत्येक सदस्य के फिट होने की स्थिति में कुछ स्पष्ट विकल्प चुनने होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, ''इसके लिए कोई प्रयोग या फिर मैदान के प्रदर्शन से चयन नहीं होगा। भारत के लिए जो खिलाड़ी खेलते हैं और जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय तथा आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें चुना जायेगा।''

इससे साफ लगता है कि शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल में से कोई एक टीम में जगह बनाने से चूक सकता है लेकिन अगर अंतिम एकादश में दोनों को चुना जाता है तो फिर दो फिनिशर रिंकू सिंह और शिवम दुबे में से किसी एक को ही जगह मिल सकती है। वहीं दूसरे विकेटकीपर के स्थान के लिए भी फैसला करीबी हो सकता है जिसमें संजू सैमसन को जितेश शर्मा, केएल राहुल और ईशान किशन से प्रतिस्पर्धा मिलेगी। राहुल और किशन शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करते हैं और इस आईपीएल में इन दोनों ने अभी तक मध्यक्रम में बल्लेबाजी का प्रयास नहीं किया है जिससे चयनकर्ताओं के लिए निचले क्रम में उनके प्रदर्शन का विश्लेषण करना मुश्किल होगा।

हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी फिटनेस हालांकि चिंता का विषय बनी हुई लेकिन उनके चयन को लेकर कोई संदेह नहीं दिखता। उन्हीं की तरह विराट कोहली को शामिल करने पर भी कोई संदेह नहीं है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा, ऋषभ पंत, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव का चयन निश्चित है। ये 10 खिलाड़ी अगर फिट हैं तो निश्चित रूप अमेरिका की उड़ान भरेंगे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सिराज

को आराम दिया है क्योंकि वह लगातार खेल रहे हैं और उनके कार्यभार प्रबंधन की जरूरत है।

गिल और जायसवाल के बीच में चयन की बात की जाये तो इनमें से गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने ज्यादा रन जुटाये हैं। लेकिन जायसवाल की बात की जाये तो चयन समिति आईपीएल में उनके कुछ कम स्कोर को देखते हुए उनकी अनदेखी नहीं कर सकती। साथ ही वह शीर्ष चार में केवल एकमात्र बायें हाथ के बल्लेबाज हैं जो अच्छी चीज है। लेकिन अगर गिल लगातार रन बनाते रहते हैं तो चीजें काफी मुश्किल हो जायेंगी। वर्ना चयनकर्ता दोनों को शामिल कर सकते हैं तथा शिवम और रिंकू में से किसी एक को बाहर कर सकते हैं।

'रिजर्व' स्पिनर के स्थान के लिए तीन क्रिकेटरों में प्रतिद्वंद्विता होगी जिसमें अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल और रवि बिश्नोई शामिल हैं। अक्षर जहां बायें हाथ के स्पिनर हैं तो उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। चहल ने अपने नौ साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में अभी तक एक भी टी20 विश्व कप नहीं खेला है, लेकिन वह गेंदबाजी कौशल में अन्य दोनों से कहीं आगे हैं। लेकिन बार बार महत्वपूर्ण टीम से उन्हें बाहर किया जाना जून में होने वाले टूर्नामेंट में उनके चयन पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और अब प्रसारक ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पर दिलचस्प जानकारी देते हुए कहा कि यह नियम टीम चयन में नुकसान पहुंचा रहा है।

उन्होंने कहा, ''एक शानदार '12 खिलाड़ियों की टीम' के क्रिकेट मुकाबले का यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम आईपीएल के दर्शकों के लिए बहुत ही अच्छा है लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए यह नुकसानदायक है। इसने आलराउंडर की भूमिका को खत्म कर दिया है इसलिये आधे फिट हार्दिक पंड्या भी काफी अहम है क्योंकि वह गेंदबाजी कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर यह नियम नहीं होता तो चेन्नई सुपर किंग्स के एमएस धोनी (रुतुराज गायकवाड़ नहीं) बतौर कप्तान दुबे को गेंदबाजी नहीं कराने का जोखिम उठा सकते थे? चयनकर्ताओं को दुबे की गेंदबाजी फॉर्म नहीं पता।''

उन्होंने कहा, ''इसी तरह राहुल तेवतिया जैसा खिलाड़ी अच्छा फिनिशर होने के बावजूद दौड़ में नहीं है जबकि वह अच्छा लेग ब्रेक गेंदबाज भी है। वह इस नियम के कारण अब गेंदबाजी नहीं करता। इससे किसका नुकसान है? राष्ट्रीय टीम का ही ना।'' रियान पराग, मयंक यादव, अभिषेक शर्मा और हर्षित राणा जैसे सभी नये खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन पता चला है कि चयन समिति उन्हें विश्व टी20 जैसे उच्च स्तर के टूर्नामेंट में परखने के बजाय द्विपक्षीय क्रिकेट से ही सहज बनाने की प्रक्रिया का अनुकरण करेगी। जिम्बाब्वे और श्रीलंका के खिलाफ सफेद गेंद की दो श्रृंखला होंगी जिसमें ये युवा खिलाड़ी भारत के लिए पदार्पण की कतार में होंगे।

नीतिश रेड्डी गेंदबाजी आलराउंडर हैं, वह पिछले साल श्रीलंका का दौरा करने वाली 'इंडिया इमर्जिंग' टीम का हिस्सा थे। वह भी इसी राह पर चल सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बीसीसीआई मयंक यादव, हर्षित राणा और आकाश मधवाल जैसे खिलाड़ियों को नेट गेंदबाज के तौर पर ले जाती है या नहीं क्योंकि इससे उन्हें अच्छा मौका मिलेगा।

दौड़ में शामिल संभावित 20 (15+5 स्टैंड बाई) खिलाड़ी

विशेषज्ञ बल्लेबाज (6): रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह

ऑलराउंडर (4): हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल।विशेषज्ञ स्पिनर (3): कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई।विकेटकीपर बल्लेबाज (3): ऋषभ पंत, केएल राहुल और संजू सैमसन।तेज गेंदबाज (4)- जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और आवेश खान।

छक्के और चौके लगाने में क्लासन ओर विराट अव्वल

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में छक्के और चौके लगाने के मामले में एक विदेशी ओर एक भारतीय क्रिकेटर सबसे आगे है। सनराइजर्स हैदराबाद के हैनरिक क्लासन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली सबसे आगे हैं। क्लासन ने अब तक सबसे अधिक 24 छक्के लगाये है जबकि रॉयल चैलेंजर्स के विराट के नाम 35 चौके हैं जिससे ये दोनो ही नंबर एक पर हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन 19 छक्कों के साथ दूसरे जबकि सनराइजर्स के अभिषेक शर्मा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिनेश कार्तिक और राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग 18-18 छक्कों के साथ संयुक्त रुप से तीसरे स्थान पर है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के शिवम दूबे, मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा और दिल्ली कैपिटल्स के ट्रिस्टन स्टब्स 15-15 छक्कों के साथ चौथे स्थान पर है। वहीं चौके के मामले में विराट 35 चौके लगाकर नंबर एक स्थान पर हैं। वहीं रोहित शर्मा और ट्रैविस माइकल हेड 28-28 चौके दूसरे नंबर पर है। ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन 25- 25 चौकों के साथ तीसरे, फाफ डु प्लेसिस 24 चौकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

धीमी ओवर गति के लिए श्रेयस अय्यर पर जुर्माना लगा

कोलकाता। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में हारी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को दोहरा झटका लगा है। उसके कप्तान श्रेयस अय्यर पर रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा है। आईपीएल की ओर से कहा गया, 'लीग की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत यह धीमी ओवर गति बनाए को लेकर उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था, इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपए का जुर्माना ही लगाया गया है। वहीं अगर ऐसा फिर होता है तो जुर्माना दोगुना हो जाएगा। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने जोश बटलर के शतक से जीत दर्ज की थी। इस मैच में केकेआर ने पहले खेलते हुए सुनील नरेन के शतक की बदौलत 6 विकेट पर 223 रन बनाए थे। वहीं इसके जवाब में खेलने उतरी राजस्थान ने 12 ओवर में ही 121 रन पर 6 विकेट खो दिए थे पर इसके बाद बटलर ने एक छोर संभला और टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

गंभीर के कारण सफल हुए हैं नरेन : रिंकू

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के क्रिकेटर रिंकू सिंह ने कहा है कि आईपीएल के इस सत्र में कोच गौतम गंभीर के कारण ही सुनील नरेन इतने सफल हुए हैं। रिंकू के अनुसार गंभीर ने ही नरेन को पारी की शुरुआत के लिए भेजा था। उनका ये प्रयोग बेहद सफल रहा है। इसका प्रभाव साफ देखा जा सकता है। नरेन ने सत्र की शुरुतात से ही आक्रामक बल्लेबाजी की है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 56 गेंद में 109 रन बना दिये थे। वहीं उन्होंने निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए पिछले तीन सत्र में केवल 154 रन बनाए थे जबकि इस सत्र में बतौर सलामी बल्लेबाज छह मैच में नरेन ने 276 रन बनाये हैं। उन्होंने कहा, 'आप देख सकते हैं कि नरेन इस समय किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। हर मैच में वह रन बना रहे हैं। इसका श्रेय गंभीर को दिया जाना चाहिये। नरेन इससे पहले साल 2017 में गंभीर की कप्तानी में एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे थे।

अब से हर अभ्यास सत्र अहम, ओलंपिक के 100 दिनों की उलटी गिनती पर बोले हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए 100 दिन बचे हैं और ऐसे में हर दिन, हर अभ्यास और प्रशिक्षण सत्र का इस्तेमाल इसकी तैयारियों को बेहतर करने के लिए किया जायेगा। तोक्यो ओलंपिक का कांस्य पदक विजेता भारत मौजूदा विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है। हरमनप्रीत ने कहा कि वे पेरिस में अपने तोक्यो परिणाम में सुधार करना चाहते हैं।

इस स्टार ड्रैग-फ्लिकर की टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई, जहां मेजबान टीम ने उन्हें 0-5 से हराया था। हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, 'हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक में केवल 100 दिन बचे हैं और टीम में उत्साह बढ़ रहा है।% भारतीय कप्तान ने कहा, 'स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होकर हमारी टीम की एकजुटता लगातार बढ़ रही है। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने ओलंपिक की उलटी गिनती के मद्देनजर हमारे लिए साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किये हैं।'

भारत ने पिछले साल हांग्झोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। भारत के उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि पेरिस खेलों से पहले टीम को अपनी खामियों को दुरुस्त करना होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से हमें उन चीजों के बारे में पता चला जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। हम शिविर में लौटने पर इस पर काम करेंगे। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते हर मुद्दे को सुलझा लें।'

उन्होंने कहा, 'हम बचे हुए 100 दिनों में से हर दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की हमारी हसरत पूरी हो।' पेरिस ओलंपिक में भारत को पूल बी में गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ रखा गया है। भारत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश के लिए शीर्ष चार में जगह बनाने की उम्मीद करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवरात्रों में आकर्षण का केन्द्र

कात्यायिनी मंदिर

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित है आद्या कात्यायिनी मंदिर जो छतरपुर मंदिर के नाम से भी प्रसिद्ध है। छतरपुर मंदिर दिल्ली का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग यहां आते हैं तथा माता के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं। छतरपुर मंदिर दिल्ली के बड़े और भव्य मंदिरों मे से एक है।

विशाल क्षेत्र में फैला यह मंदिर अपनी प्रसिद्धि के कारण सभी के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहा है. आद्या कात्यायिनी मंदिर या छतरपुर मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है जिसमें माता के भव्य रूप के दर्शन होते हैं. इस विशाल मंदिर में भगवान विष्णु, शिव, गणेश, हनुमान तथा भगवान राम सीता इत्यादि अन्य देवी-देवताओं के मंदिर भी स्थित हैं.

छतरपुर मंदिर स्थापना

छतरपुर मंदिर विशालता एवं भव्यता का अदभुत संगम है. यहां पर आने वाला प्रत्येक व्यक्ति मां की महिमा का गुणगान करता है. गुड़गांव महरौली मार्ग के समीप छतरपुर नामक जगह में स्थित है यह मंदिर.

इस महत्वपूर्ण मंदिर की स्थापना का श्रेय माँ के परम भक्त संत नागपाल जी को जाता है उनके प्रयासों द्वारा मन्दिर का निर्माण हो सका और बाबा संत नागपाल जी की मृत्यु के पश्चात उनकी समाधी भी इसी पवित्र स्थल पर ही बनवाई गई. लगभग बीस छोटे-बड़े मंदिरों का यह स्थल दिल्ली में दूसरा सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है.

आद्या कात्यायिनी मंदिर, छतरपुर मंदिर स्थापत्य

भारत वर्ष की राजधानी दिल्ली का छतरपुर मंदिर विश्वप्रसिद्ध मंदिर है यह पवित्र स्थल अपनी निर्माण कला के लिए भी विख्यात है. मन्दिर कि निर्माण कला में सफेद संगमरमर द्वारा निर्मित शिल्प कला एवं नक्काशी के बेहतरीन नमूनों को देखा जा सकता है. संगमरमर से बनी जाली देखने में बहुत ही खूबसूरत प्रतीत होती है.

मन्दिर के परिसर में बहुत बड़ा दरवाज़ा लगा देख सकते हैं जिस पर एक बड़ा सा ताला लगा हुआ है यह सभी के आकर्षण का केन्द्र होता है. दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित यह छतरपुर मंदिर खूबसूरत बगीचों से घिरा हुआ है. मंदिर के परिसर में धर्मशाला, डिस्पेंसरी और स्कूल का संचालन भी होता है.

आद्या कात्यायिनी मंदिर महत्व

छतरपुर मंदिर माँ दुर्गा के छठे स्वरूप आद्या कात्यायनी का स्थल है. देवी कात्यायनी के साथ के पौराणिक कथा जुड़ी है जिसके अनुसार प्रसिद्ध महर्षि कात्यायन ने माँ भगवती की कठोर उपासना कि इस तपस्या से प्रसन्न हो देवी ने उनके घर पुत्री रूप में जन्म लिया तभी मां कात्यायनी कहलाई और देवी ने राक्षस महिषासुर का वध किया था. मान्यता अनुसार महर्षि कात्यायन के घर में आश्विन कृष्ण चतुर्दशी को उत्पन्न हुई थीं तथा सप्तमी, अष्टमी तथा नवमी तक तीन दिन तक देवी ने कात्यायन ऋषी की पूजा स्वीकार की ओर दशमी को महिषासुर का वध करके पृथ्वी को आतंक से मुक्त किया.

मंदिर में आने वाला हर भक्त मां की भक्ति से पूर्ण होता है. माँ कात्यायनी का स्वरूप अत्यंत ओजमयी है सिंह पर विराजमान माता शक्ति का स्वरूप हैं. माँ की भक्ति द्वारा मनुष्य को धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष फलों की प्राप्ति होती है. माँ कत्यायनी की भक्ति प्राप्त करने के लिए भक्त को इस मंत्र का जाप करना चाहिए

या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः

छतरपुर मंदिर उत्सव

मंदिर में वैसे तो वर्षभर लोगों का आना जाना लगा ही रहता है परंतु नवरात्रि के पर्व के समय इस मंदिर की रौनक देखते ही बनती लाखों की तादाद में लोग मां के दर्शन करने के आते है. दूर-दूर से लोग बसों, कारों आदि में भारी संख्या में इस मंदिर में पहुँचते हैं. कई लोग नंगे पाँव पैदल ही माता के दर्शनों के लिए छतरपुर मंदिर में आते हैं.

मंदिर मे जागरण, कीर्तन इत्यादि का इंतज़ाम किया जाता है. दुर्गा पूजा के उत्सव पर देश भर से भक्तगण यहां एकत्रित होते हैं तथा उत्साह के साथ इन आयोजनों में भाग लेते हैं. मंदिर में एक पुराना पेड़ है जिसकी लोगों में विशेष श्रद्धा है. लोग इस वृक्ष पर लाल धागा एवं रंग-बिरंगी चूड़ियां बांधते हैं श्रद्धालुओं का विश्वास है कि ऐसा करने से सभी मनोकामना पूर्ण होती है तथा मां का आशीर्वाद प्राप्त होता है.

तांत्रिकों की देवी माँ बगलामुखी

ह्रीं बगलामुखी सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय जिह्वां कीलम बुद्धिं विनाशय ह्रीं ? स्वाहा।

प्राचीन तंत्र ग्रंथों में दस महाविद्याओं का उल्लेख मिलता है। उनमें से एक है बगलामुखी। माँ भगवती बगलामुखी का महत्व समस्त देवियों में सबसे विशिष्ट है। विश्व में इनके सिर्फ तीन ही महत्वपूर्ण प्राचीन मंदिर हैं, जिन्हें सिद्धपीठ कहा जाता है। उनमें से एक है नलखेड़ा में। तो आइए धर्मयात्रा में इस बार हम अपको ले चलते हैं माँ बगलामुखी के मंदिर।

भारत में माँ बगलामुखी के तीन ही प्रमुख ऐतिहासिक मंदिर माने गए हैं जो क्रमशः दतिया (मध्यप्रदेश), कांगड़ा (हिमाचल) तथा नलखेड़ा जिला शाजापुर (मध्यप्रदेश) में हैं। तीनों का अपना अलग-अलग महत्व है।

मध्यप्रदेश में तीन मुखों वाली त्रिशक्ति माता बगलामुखी का यह मंदिर शाजापुर तहसील नलखेड़ा में लखुंदर नदी के किनारे स्थित है। द्वापर युगीन यह मंदिर अत्यंत चमत्कारिक है। यहाँ देशभर से शैव और शाक्त मार्गी साधु-संत तांत्रिक अनुष्ठान के लिए आते रहते हैं।

इस मंदिर में माता बगलामुखी के अतिरिक्त माता लक्ष्मी, कृष्ण, हनुमान, भैरव तथा सरस्वती भी विराजमान हैं। इस मंदिर की स्थापना महाभारत में विजय पाने के लिए भगवान कृष्ण के निर्देश पर महाराजा युधिष्ठिर ने की थी। मान्यता यह भी है कि यहाँ की बगलामुखी प्रतिमा स्वयंभू है।

यह बहुत ही प्राचीन मंदिर है। यहाँ के पुजारी अपनी दसवीं पीढ़ी से पूजा-पाठ करते आए हैं। 1815 में इस मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया था।

इस मंदिर में लोग अपनी मनोकामना पूरी करने या किसी भी क्षेत्र में विजय प्राप्त करने के लिए यज्ञ, हवन या पूजन-पाठ कराते हैं।

यह मंदिर श्मशान क्षेत्र में स्थित है। बगलामुखी माता मूलत- तंत्र की देवी हैं, इसलिए यहाँ पर तांत्रिक अनुष्ठानों का महत्व अधिक है। यह मंदिर इसलिए महत्व रखता है, क्योंकि यहाँ की मूर्ति स्वयंभू और जाग्रत है तथा इस मंदिर की स्थापना स्वयं महाराज युधिष्ठिर ने की थी।

इस मंदिर में बिल्वपत्र, चंपा, सफेद आँकड़ा, आँवला, नीम एवं पीपल के वृक्ष एक साथ स्थित हैं। इसके आसपास सुंदर और हरा-भरा बगीचा देखते ही बनता है। नवरात्रि में यहाँ पर भक्तों का हुजूम लगा रहता है। मंदिर श्मशान क्षेत्र में होने के कारण वर्षभर यहाँ पर कम ही लोग आते हैं।

कैसे पहुँचें-

वायु मार्ग- नलखेड़ा के बगलामुखी मंदिर स्थल के सबसे निकटतम इंदौर का एयरपोर्ट है।

रेल मार्ग- ट्रेन द्वारा इंदौर से 30 किमी पर स्थित देवास या लगभग 60 किमी मक्सी पहुँचकर भी शाजापुर जिले के गाँव नलखेड़ा पहुँच सकते हैं।

सड़क मार्ग- इंदौर से लगभग 165 किमी की दूरी पर स्थित नलखेड़ा पहुँचने के लिए देवास या उज्जैन के रास्ते से जाने के लिए बस और टैक्सी उपलब्ध हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मशहूर कारोबारी ने बताया 2032 में कौन जीतेगा अमेरिकी चुनाव

सैन फ्रांसिस्को । तकनीक और विज्ञान फंतासी के प्रति अपने जुनून के लिए मशहूर कारोबारी एलन मस्क ने इस बार 2032 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए विचार दिए हैं। पिछले दिनों से वे आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस के लिए ज्यादा सुर्खियों में रहे हैं। अब उनका कहना है कि 2032 में होने वाला राष्ट्रपति चुनाव रोबोट जीतेगा। स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्स (पूर्व नाम ट्विटर) कंपनियों के मालिक को भरोसा है कि आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस या एआई एक दशक के भीतर ही दुनिया पर राज करने लगेगा। 52 वर्षीय मस्क चेतावनी दे चुके हैं कि एआई एक साल के भीतर इंसानों से ज्यादा स्मार्ट हो सकती है। उन्होंने 10वें वार्षिक ब्रेकथ्रू पुरस्कार समारोह में यह भविष्यवाणी की। इन पुरस्कारों को साइंस का ऑस्कर भी कहा जाता है। समारोह में मस्क से पूछा गया था कि उन्हें क्या लगता है कि अगला राष्ट्रपति कौन होगा। उन्होंने हंसकर उत्तर दिया कि आपको क्या लगता है कि 2032 में व्हाइट हाउस कौन जीतेगा? जब उन्होंने पहले एक एक्स पोल में सवाल रखा था, तब लगभग 1.2 मिलियन वोट मिले थे। इसमें से 77.4 फीसदी वोट ट्रांसफॉर्मर को मिले थे। ट्रांसफॉर्मर 1984 में जापानी कंपनी तकारा टोमी द्वारा आविष्कार किए गए रोबोट खिलौने हैं, जो वाहनों और जानवरों जैसे अन्य रूपों में रूपांतरित हो सकते हैं। एक विशेषज्ञ ने दावा किया है कि इनब्रीडिंग एआई तकनीक इस साल के अमेरिकी चुनावों में कहर बरपा सकती है। सामग्री निर्माताओं का समय बचाने के लिए जब इसे पहली बार पेश किया गया था, तब एआई सिस्टम को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित किया गया था दृश्य, श्रव्य और पाठ की भारी मात्राएं मनुष्यों ने बनाई हैं।

दुबई में बाढ़ ने मचाई तबाही- एयरपोर्ट डूबा, स्कूल कालेज और मेट्रो भी करना पड़े बंद

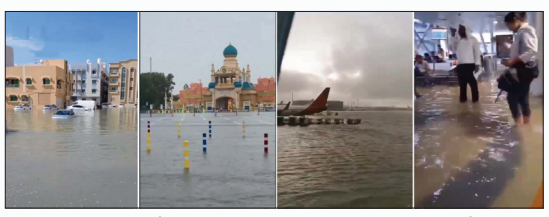

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात में मूसलाधार बारिश के कारण के जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ है। भारी बारिश के चलते अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पानी से तरबतर हो गया और रनवे भी पानी में डूब गया। हालात बिगड़ते दे दुबई के सभी स्कूल कालेज बंद कर दिए गए हैं। दुनिया के सबसे व्यस्ततम हवाईअड्डों में से एक दुबई हवाईअड्डे की वेबसाइट पर 16 अप्रैल को दर्जनों उड़ानें रद्द दिखाई गई हैं। इनमें भारत, पाकिस्तान, सऊदी और यूनाइटेड किंगडम सहित कई देशों की फ्लाइट शामिल हैं। दुबई में भारी बारिश के कारण पूरे रेगिस्तानी देश में बाढ़ आ गई, जो आंशिक रूप से क्लाउड सीडिंग के कारण उत्पन्न हुई थी। इसके कारण दुबई के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को मंगलवार को आने वाली कई उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। बारिश के कारण दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को 25 मिनट के लिए ऑपरेशन रोकना भी पड़ गया। बारिश के कारण स्कूल बंद करने पड़े और यातायात ठप कर दिया। दुबई हवाई अड्डे पर मंगलवार शाम को 100 से अधिक उड़ानों के लैंड करने की उम्मीद थी। बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई समस्या की वजह से कई फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ गया। एयरपोर्ट को कुछ समय के लिए बंद रखना पड़ गया। हवाईअड्डे तक पहुंचने वाली सड़कें भी बुरी तरह जलमग्न हो गईं। यूएई की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाईदुबई ने कहा कि खराब मौसम के कारण दुबई से प्रस्थान करने वाली अपनी सभी उड़ानें अस्थायी रूप से बुधवार सुबह तक निलंबित कर दी हैं। इसी तरह के दृश्य दुबई और संयुक्त अरब अमीरात में अन्य जगहों पर देखे गए। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों के अनुसार, फ्लैगशिप शॉपिंग सेंटर दुबई मॉल और मॉल ऑफ एमिरेट्स में बाढ़ आ गई। दुबई मेट्रो स्टेशन में घुटने तक पानी भर गया। लोगों ने बारिश के बाद की स्थिति पर अपडेट साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। कुछ वीडियो में कारों को सड़कों से बहते हुए दिखाया गया, जबकि कुछ में दुबई के सबसे लोकप्रिय मॉल में पानी भर जाने के कारण एक दुकान की छत ढहती हुई दिखाई दी। अमीरात की मेट्रो बाधित हो गई। मध्य पूर्व का वित्तीय केंद्र दुबई मूसलाधार बारिश के कारण ठप हो गया है। रविवार और सोमवार को ओमान में 18 लोगों की मौत हो गई। ओमान और यूएई ने पिछले साल कॉप 28 संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता की मेजबानी की थी। दोनों ने पहले चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण और अधिक बाढ़ आने की संभावना जताई गई है।

म्यांमार नव वर्ष के मौके पर 3,000 से अधिक कैदियों को माफी

यांगून । म्यांमार की राज्य प्रशासन परिषद ने पारंपरिक म्यांमार नव वर्ष के पहले दिन 3,000 से अधिक कैदियों को माफी दे दी। रिपोर्ट के हवाले से परिषद ने कहा कि उनमें 3,303 म्यांमार के नागरिक और 36 विदेशी कैदी हैं, जिसमें 13 इंडोनेशियाई नागरिक और 15 श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि माफी म्यांमार के पारंपरिक नए साल के दिन दी गई है, जो लोगों के लिए खुशी का दिन है। एक अलग क्षमा आदेश में परिषद ने दक्षिण पूर्व एशियाई देश की जेलों में बंद कुछ कैदियों की सजा को छठे हिस्से तक कम कर दिया। म्यांमार में पारंपरिक नए साल पर कैदियों को माफ़ करने की प्रथा है। पिछले साल, म्यांमार के पारंपरिक नए साल के दिन 3,000 से अधिक कैदियों को रिहा किया गया था।

एफटीए वार्ता फिर शुरू के बीच ब्रिटेन ने कहा, भारत के साथ महत्वाकांक्षी समझौते पर काम जारी

लंदन । ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह भारत के साथ एक 'महत्वाकांक्षी' व्यापार समझौता करने की दिशा में काम करना जारी रखेगी। भारत के वार्ताकारों की एक टीम ने इसी सप्ताह लंदन में अपने ब्रिटिश समकक्षों के साथ बातचीत शुरू की है। व्यवसाय एवं व्यापार विभाग (डीबीटी) ने केवल ऐसे (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने के अपने रुख को दोहराया जो ब्रिटिश लोगों और अर्थव्यवस्था के सर्वोत्तम हित में हो। पिछले महीने डीबीटी अधिकारियों ने संकेत दिया था कि भारत के चरणबद्ध आम चुनाव के दौरान औपचारिक व्यापार वार्ता रोक दी गई थी। हालांकि, चार जून को चुनाव परिणाम घोषित होने तक कुछ बातचीत जारी रहने की उम्मीद थी। मंगलवार को, ब्रिटेन के अधिकारियों ने कहा कि जनवरी में शुरू हुई वार्ता के ''14वें दौर के तहत बातचीत जारी रखने'' के लिए इस सप्ताह लंदन में चर्चा फिर से शुरू हुई। डीबीटी के प्रवक्ता ने कहा, ''ब्रिटेन और भारत एक महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते की दिशा में काम करना जारी रख रहे हैं जो दोनों देशों के लिए काम करेगा।'' प्रवक्ता ने कहा, ''हालांकि, हम बातचीत के विवरण पर टिप्पणी नहीं करते हैं, लेकिन हम स्पष्ट हैं कि हम केवल उस समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे जो निष्पक्ष, संतुलित और अंततः ब्रिटिश लोगों और अर्थव्यवस्था के सर्वोत्तम हित में होगा।

सो सॉरी.....गलती से हो गया आपका तलाक, पति-पत्नी परेशान, जज अपना फैसला बदलने को तैयार नहीं

लंदन। देश और दुनिया में शादी शुदा जोड़ों के लिए तलाक की प्रक्रिया अलग-अलग है। कई देश हैं, जहां आसानी से तलाक मिल जाते हैं। वहीं भारत सहित कई देश हैं, जहां तलाक के लिए सालों लग जाते हैं। लेकिन हाल में लंदन से एक ऐसा मामला सामने आया है कि कोई भी हैरान रह जाए। दरअसल, यहां कोर्ट ने एक कपल का गलती से तलाक करा दिया। दरअसल, आयशा वरदाग की लंदन बेस्ड लॉ फर्म के सॉलिसिटर की एक गलती के चलते ये सब हो गया। नतीजा ये हुआ कि जज ने फैसला वापस लेने से इंकार कर दिया। मिस्टर एंड मिसेज विलियम्स कहे जाने वाले इस जोड़े की शादी को 2023 तक 21 साल हो चुके थे लेकिन अदालत ने अब उनका तलाक करा दिया है। इस कपल को तलाक लेना ही था लेकिन वे अभी भी अपने सेपरेशन के लिए वित्तीय एग्रीमेंट्स की व्यवस्था करने की प्रक्रिया में थे। इसी बीच किसी और कपल के तलाक के फाइनल ऑर्डर के दौरान वरदाग के क्लर्क ने कंप्यूटर पर ड्रॉप डाउन मेन्यु से मिस्टर एंड मिसेज विलियम्स का नाम सलेक्ट कर दिया। इस तरह 21 मिनट में दोनों का तलाक हो गया। वहीं जज को जब गलती के बारे में बताया गया तब जज ने फैसला बदलने से इंकार कर दिया और कहा कि कोर्ट के फैसले पर जनता का विश्वास ज्यादा जरूरी है।

ओटावा में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और वित्तमंत्री क्रिस्टिया बजट पेश करने जाने से पहले तस्वीरें खिंचाते हुए।

ईरान क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा

-इंडोनेशिया के विदेश मंत्री से ईरानी विदेश मंत्री ने की फोन पर बात

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने इंडोनेशिया के विदेश मंत्री रेटनो मार्सुडी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि ईरान क्षेत्र में तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है। इस दौरान दोनों पक्षों ने मध्य पूर्व में वर्तमान घटनाओं पर बात की, जिसमें इजरायल पर ईरान के बड़े पैमाने पर जवाबी हमले और गाजा पट्टी की स्थिति के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंध भी शामिल थे। एक रिपोर्ट के अनुसार विदेश मंत्री अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा कि ईरान हमेशा क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इजरायल क्षेत्र में तनाव और युद्ध का मूल कारण है। विदेश मंत्री ने एक अप्रैल को सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर इजरायल के कथित हमले की इंडोनेशिया की निंदा की सराहना की और इजरायली हमले को आक्रामकता का कार्य बताया। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इजरायल के खिलाफ ईरान का ड्रोन और मिसाइल हमला अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में था। इंडोनेशियाई विदेश मंत्री ने अपनी ओर से फिलिस्तीनी मुद्दे पर द्विपक्षीय सहयोग जारी रखने का आह्वान करते हुए कहा कि गाजा संकट को नहीं भूलना चाहिए और फिलिस्तीनी मुद्दे को जीवित रखना चाहिए। उन्होने कहा कहा इजराइल-हमास युद्ध का समाधान निकलना चाहिए।

अमेरिकी खुफिया अधिकारी का खुलासा: भारत के डर से... कंगाल पाकिस्तान बढ़ा रहा परमाणु हथियारों का जखीरा

वाशिंगटन (एजेंसी)। पाकिस्तान के वर्तमान में जो हालात हैं, वहां एक-एक पैसे के लिए मोहताज है। आटा, चावल, दाल, तेल, कपड़ा से लेकर इंसान की रोजमर्रा की जरूरत की तमाम चीजों के दाम आसामना छू रहे हैं। इन हालातों में भी पाकिस्तान अपनी कंगाली से उबरने के बजाय मिसाइलों पर जमकर खर्चा कर रहा है। इसकी चर्चे अमेरिकी संसद तक में हो रहे हैं।

अमेरिकी खुफिया शीर्ष अधिकारी जेफरी क्रूस ने बताया कि पाकिस्तान ने पिछले साल अपने परमाणु हथियारों को अपग्रेड किया है। उनका कहना है कि इसकी वजह भारत है। भारत के साथ विवादास्पद रिश्तों के कारण पाकिस्तान अपनी रक्षा प्रणाली को मजबूत करने में जुटा है।

परमाणु हथियारों की बात करे तब पाकिस्तान के पास अभी 170 वॉर हेड्स हैं, जिनकी संख्या अगले साल 200 तक पहुंच सकती है। पिछले साल 11 सितंबर को छपे न्यूक्लियर नोटबुक कॉलम के हवाले से यह जानकारी दी थी. इसमें कहा गया, हमारा अंदाजा है कि पाकिस्तान के पास 170 के करीब परमाणु हथियार हैं। साल 1999 में अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने अनुमान लगाया था कि पाकिस्तान के पास साल 2020 तक 60 से 80 के बीच न्यूक्लियर वेपन हो

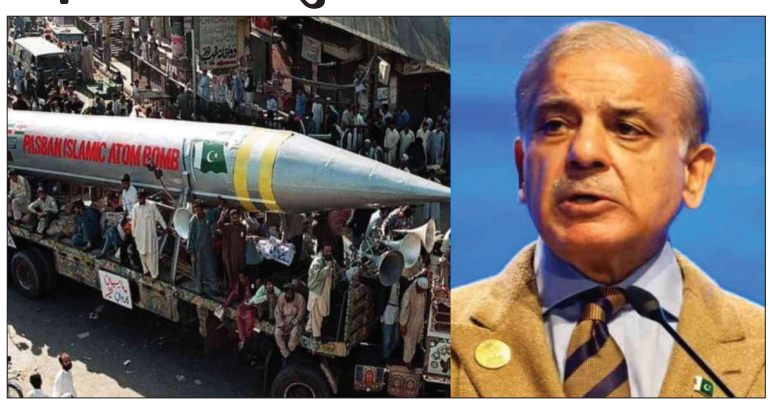

सकते हैं, लेकिन उसके पास इससे ज्यादा हथियार मौजूद हैं, जो आने वाले सालों के लिए ज्यादा अनुमान की ओर इशारा करता है।

अमेरिकी साइंटिस्टों ने कहा कि वर्तमान की रफ्तार को देखकर अंदाजा है कि 2025 तक पाकिस्तान के पास 200 वॉरहेड्स हो सकते हैं। हालांकि, इस अनुमानित आंकड़े का आकार कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है। जैसे, पाकिस्तान कितने परमाणु लॉन्चर तैनात करने की योजना बना रहा है, कैसे उसकी परमाणु रणनीति विकसित होती है और भारत अपने परमाणु शास्त्रागार को कितना बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि अनुमान है कि पाकिस्तान हर साल 14 से 27 हथियार बनाने के लिए सामग्री का उत्पादन कर रहा है। हालांकि, हमारा अंदाजा है कि वह हर साल 5 से 10 हथियार ही बना रहा होगा।

न्यूक्लियर नोटबुक कॉलम साल 1987 से बुलेटिन ऑफ एटॉमिक साइंटिस्ट में लगातार छपता आ रहा है। यह फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट के न्यूक्लियर इंफोर्मेशम प्रोजेक्ट की टीम की ओर से तैयार किया जाता है।

ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी की में अमेरिका, किया साफ- हम हिचकेंगे नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इजराइल पर अभूतपूर्व हमले को लेकर ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की योजना बनाई है, ताकि इजराइल को बड़े पैमाने पर तनाव बढ़ने से रोका जा सके क्योंकि प्रतिक्रिया तय करने के लिए उसकी युद्ध कैबिनेट बुधवार को तीसरी बार बैठक करने वाली थी। हालांकि शनिवार रात के हमले में कोई मौत नहीं हुई और इजरायल और उसके सहयोगियों की हवाई सुरक्षा और जवाबी कार्रवाई के कारण बहुत कम क्षति हुई, लेकिन इससे यह आशंका बढ़ गई है कि छह महीने पुराने गाजा युद्ध में निहित हिंसा फैल रही है, जिससे लंबे समय तक खुले युद्ध का खतरा है।

इज़राइल के सैन्य प्रमुख हज़ी हलेवी ने वादा किया था कि ईरान द्वारा इज़राइली क्षेत्र में 300 से अधिक मिसाइलें, क्रूज़ मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च करने का जवाब दिया जाएगा। लेकिन उन्होंने कोई विवरण नहीं दिया। इज़रायली सरकार के एक सूत्र ने कहा कि मंगलवार को होने वाला युद्ध कैबिनेट सत्र बिना विस्तृत जानकारी दिए बुधवार तक के लिए टाल दिया गया है। इज़राइल को बड़े पैमाने पर प्रतिशोध से दूर रखने की उम्मीद में, अमेरिका और यूरोप ने ईरान के खिलाफ आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंधों को सख्त करने का संकेत दिया।

क्या श्रीलंका में मिल गया लंका के राजा रावण का महल ...

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका में एक विशालकाय चट्टान के ऊपर एक खोए हुए प्राचीन शहर की खोज से पुरातत्वविद और इतिहासकार हैरान हैं। श्रीलंका के मध्य में मौजूद सिगरिया शहर के खंडहर यहां आने वालों को आश्चर्य से भर देते हैं। यह मौजूदा अवशेष बताते हैं कि यह एक विशाल नगर था, जो पहली नजर में किसी राजा की राजधानी जैसा मालूम पड़ता है। यह एक ऊंची चट्टान पर स्थित है और इसके निर्माण की तकनीक आज भी पुरातत्वों को चकित कर देती है। ये अपने दौर की शानदार इंजीनियरिंग का नमूना पेश करता है। कुछ लोग कहते हैं कि एक महत्वपूर्ण बौद्ध मठ था, जबकि यहां मिली चीजों के आधार पर कुछ लोगों का मानना है कि हिंदू धर्मग्रंथ रामायण में वर्णित लंका के राजा रावण का महल था। सिगरिया आज श्रीलंका के सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में शामिल है। इस दुनिया के आश्चर्यों में गिना जाता है। 180 मीटर ऊंची चट्टान पर स्थित इस महल के पास जाने पर इसके रहस्य उजागर होते हैं। सिगरिया को शेर की चट्टान के नाम से भी जाना जाता है और यह इतनी ऊंची है कि जंगल के बाहर से ही नजर आती है। लिखित अभिलेख बताते हैं कि यह प्राचीन राजा कश्यप की राजधानी हुआ करती थी। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि राजा कश्यप ने इस जगह को अपनी ऐशगाह के रूप में तैयार किया था। फिलहाल, यह यूनेस्को के स्मारकों में शामिल है। इतिहास की किताबों से अलग, कई इतिहासकार हैं जो सिगरिया का संबंध रामायण में बताए गए लंकापति रावण से जोड़ते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस चट्टान के शीर्ष पर 5000 साल पहले रावण का महल हुआ था, जिसे धन देवता कुबेर ने बनाया था। कहा जाता है कि इस महल में 1000 सीढ़ियों के साथ ही शीर्ष पर जाने के लिए लिफ्ट का इस्तेमाल किया जाता था। पांच हजार साल पहले लिफ्ट की कल्पना ही रोमांचित करने वाली है। चट्टानी पठार के नीचे की ओर देखने पर इसमें कई गुफाएं नजर आती हैं। गुफा की दीवारों पर अभी भी बहुत सारे चमकीले भित्ति चित्र दिखाई देते हैं जो रायाण के युग की कहानी को दिखाते हैं। इन चित्रों में कई महिलाओं के चित्र भी हैं, जिनसे बारे में माना जाता है कि यह रावण की कई पत्नियों के चित्र हैं।

ईरान से बदले का दावा: इजरायल ने हिजबुल्लाह के दो टॉप कमांडरों को लेबनान में मार गिराया

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच चल रही तनातनी कम होने का नाम नहीं ले रही है। दोनों देशों के बीच आए दिन एक नया विवाद दिखाई देता है। अब ईरान के हमले के बाद इजरायल ने बदला लेने का दावा किया है। इजरायल ने मंगलवार रात लेबनान में निशाना बनाकर किए गए हमले में ईरान के द्वारा तैयार हथियारबंद गुट हिजबुल्लाह के दो कमांडरों को ढेर कर दिया। मारे जाने वालों में हिजबुल्लाह का शीर्ष कमांडर इस्माइल यूसुफ बाज भी शामिल है, जिसने इजरायल के खिलाफ मिसाइल हमलों की योजना बनाई थी। इजरायली रक्षा बल ने ये जानकारी दी है। आईडीएफ ने दावा किया कि उसके एक विमान ने मंगलवार को इजरायल की सीमा से 7 किलोमीटर दूर स्थित लेबनान के एन एबेल क्षेत्र में हमला कर इस्माइल यूसुफ को मार गिराया।

हिजबुल्लाह ने अभी तक आईडीएफ के हमले में अपने कमांडरों की मौत के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। इजरायल की ताजा कार्रवाई ईरान के उस हमले के बाद हुई है, जिसमें ईरानी सेना ने उसके ऊपर 300 से ज्यादा मिसाइलें और किलर ड्रोन दागे थे। इजरायल इसके पहले भी लेबनान में हिजबुल्लाह के कई कमांडरों को निशाना बना चुका है। आईडीएफ प्रवक्ता ने कहा, इस्माइल लेबनान के भीतर से इजरायल के ऊपर रॉकेट और एंटी-टैंक मिसाइल हमले की योजना बनाने में

शामिल था। युद्ध के दौरान उसने इजरायल के खिलाफ कई आतंकी हमलों की योजना बनाई। हिजबुल्लाह की रॉकेट और मिसाइल यूनिट के कमांडर मुहम्मद मुस्तफा को भी मार गिराया है। एक अलग बयान में आईडीएफ ने कहा, कफार दूनीन क्षेत्र पर किए गए हवाई हमले में हिजबुल्लाह कमांडर मोहम्मद हुसैन मुस्तफा शेचोरी को मार गिराया। मोहम्मद लेबनान के केंद्रीय इलाके से इजरायल पर मिसाइल हमले की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार था। हमले के दौरान हिजबुल्लाह की रॉकेट और मिसाइल यूनिट का एक आंतकवादी इब्राहिम फादेल-अल्लाह भी मारा गया।

इससे पहले बीते मार्च में आईडीएफ ने हिजबुल्लाह की रॉकेट और मिसाइल यूनिट के डिप्टी कमांडर असी अहेद अखसन नईम को ढेर कर दिया था। हमले का वीडियो भी जारी किया गया था। नईम की कार को इजरायली ड्रोन ने दक्षिणी लेबनान में एक सड़क पर निशाना बनाया था। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच मंगलवार को भारी गोलीबारी हुई थी। ईरान समर्थित चरमपंथी समूह ने इजरायल के ऊपर विस्फोटक से भरे ड्रोन लॉन्च किए थे। स्थानीय रिपोर्ट से पता चलता है कि हमलों में तीन लोग घायल हुए हैं। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसने बीट हिलेल में इजरायल के आयरन डोम डिफेंस को निशाना बनाया। चरमपंथी गुट ने हमले में कई इजरायली जवानों के मारे जाने का दावा किया।

सूडान हिंसा से करीब 18 मिलियन लोग भुखमरी की कगार पर

- इस गृहयुद्ध का अब बच्चों के भविष्य पर भी पड़ रहा असर

- संघर्ष में अब तक 14,600 से ज्यादा लोगों की हो चुकी मौत

खरतौम (एजेंसी)। सूडान में हिंसक संघर्ष को एक साल हो गया। देश में सालभर से चल रही हिंसा का यह दौर अब खतरनाक स्थिति में पहुंच चुका है इस हिंसा के चलते अब यहां लोगों के सामने भूखमरी, बेरोजगारी जैसी समस्या पैदा हो गई है। हाल ही में यूनिसेफ की आई एक रिपोर्ट के अनुसार इस गृहयुद्ध का अब बच्चों के भविष्य पर भी पड़ रहा है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे जिस कारण उनकी पढ़ाई एक तरह से ठप हो गई है।

यूएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के कारण सूडान में अब तक लगभग 18 मिलियन लोग भुखमरी की कगार पर हैं, जिनमें 5 मिलियन लोग इमरजेंसी लेवल पर हैं। 5 साल से कम उम्र के 3.5 मिलियन बच्चे यानी हर सातवां बच्चा कुपोषण का शिकार हो चुका है और यहां का मृत्यु दर भी बेहद चौंकाने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार यहां के लगभग 19 मिलियन स्कूली बच्चों में से 90 फीसदी से ज्यादा बच्चों के पास औपचारिक रूप से शिक्षा की पहुंच नहीं है। रिपोर्ट में दावा किया है जाहिर है कि इससे इस देश के भविष्य में सबसे बड़ा संकट पैदा हो सकता है। यूनीसेफ ने इसी रिपोर्ट में कहा कि सूडान में कुपोषण से ग्रसित आधे से ज्यादा बच्चे युद्ध वाले क्षेत्र से हैं, जहां पर आम सुविधाएं मुहैया करना बेहद मुश्किल है। उनके मुताबिक भुखमरी और कुपोषण बच्चों को मौत की तरफ धकेल रही है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, सूडान संघर्ष में अब तक 14,600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इतना ही नहीं इस संघर्ष में लगभग 10.7 लाख से ज्यादा लोगों बेघर हो गए है। इस युद्ध के कारण पूरे देश का राजनीतिक, मेडिकल और आर्थिक ढांचा ढह गया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 46 लाख की आबादी वाले सूडान में 25 लाख को तुरंत मदद की जरुरत है। फरवरी में इस देश में हैजा के मरीजों की संख्या 10,700 तक पहुंच गई थी. जिसके कारण देश के लगभग 80 फीसदी अस्पताल बंद हो गए थे।

ये है संघर्ष शुरु होने की वजह

15 अप्रैल 2023 को सूडानी सशस्त्र बल प्रमुख अब्देल फतह अल-बुरहान और उनके पूर्व डिप्टी मोहम्मद हमदान डागलो, अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के कमांडर के बीच सत्ता को लेकर जंग छिड़ गई थी। जिसकी कीमत पूरा देश चुका रहा है। सूडान को साल 1956 में आजादी मिली थी। उसके बाद से अब तक 35 बार इस देश में तख्तापलट या उसकी कोशिश हो चुकी है। 2019 में लंबे समय तक तानाशाह उमर अल-बशीर के खिलाफ विद्रोह हुआ और उनको सत्ता से बेहखदल कर एक सैन्य-नागरिक संक्रमणकालीन सरकार बनाई गई, तो सूडानी नागरिकों में एक उम्मीद जगी थी। उन्हें उम्मीद थी कि उनका देश लोकतांत्रिक शासन में परिवर्तित हो जाएगा। लेकिन ये उम्मीदें अक्टूबर 2021 में धराशायी हो गईं जब अब्देल फतह अल-बुरहान ने संक्रमणकालीन सरकार में अपने नागरिक समकक्षों के खिलाफ तख्तापलट कर दिया। इसके बाद से ही सेना और अर्धसैनिक बल आमने-सामने गए और

गृहयुद्ध की स्थिति बन गई। फिल्हाल देश को सेना और आरएसएफ चला रहे हैं।

सूडान सरकार की असली कमान सेना प्रमुख जनरल अब्देल फतेह अल बुरहान के हाथों में है। वे एक तरह से देश के राष्ट्रपति हैं। वहीं सॉवरेन काउंसिल के डिप्टी और आरएसएफ़ प्रमुख मोहम्मद हमदान दगालो देश के दूसरे नंबर के नेता हैं। इन्हीं दोनों के बीच यह लड़ाई है। युद्ध की मुख्य वजह सेना और अर्धसैनिक बल आरएसएफ के विलय को लेकर है। इस विवाद के बीच सबसे बड़ा सवाल है कि करीब एक लाख की तादाद वाली रैपिड सपोर्ट फ़ोर्स का अगर सेना में विलय हो जाता है तो सभी का नेतृत्व कौन करेगा। क्या सारी शक्ति जनरल अब्देल फत्तह अल बुरहान के हाथों में होगी या मोहम्मद हमदान दगालो के हाथों में।

अब एक्स पर अकाउंट बनाने वालों को चुकानी होगी फीस

– एलन मस्क ने यूज़र्स से पैसा वसूलने का निकाला नया तरीका

नई दिल्ली । एलन मस्क के ट्विटर को खरीदने के बाद प्लेटफॉर्म पर कई बदलाव किए। एलन मस्क ने इसका नाम बदलकर एक्स कर दिया था, साथ ही यूआई और ब्लू टिक को लेकर भी कई बदलाव किए। अब एलन मस्क ने फिर एक्स को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। बयान में कहा गया है कि एक्स जल्द अपने नए यूज़र्स से फीस लेना शुरू करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने कहा है कि एक्स से जुड़ने वाले नए यूज़र्स को ट्वीट को लाइक करने, पोस्ट करने, रिप्लाई करने और यहां तक कि बुकमार्क करने के लिए 'छोटा' शुल्क देना होगा। अब तक एक्स प्लेटफॉर्म यूज़र्स मुफ्त में इस्तेमाल कर रहे थे। रिपोर्ट से पता चलता है कि मस्क ने ये फैसला बॉट से होने वाली दिक्कतों को खत्म करने के लिए किया है। एक्स की वेबसाइट पर बदलाव के बारे में पोस्ट करने वाले एक एक्स अकाउंट यूज़र के जवाब में, मस्क ने कहा कि नए अकाउंट पर एक छोटा सा शुल्क वसूलना 'बॉट्स के हमले' को रोकने का एकमात्र तरीका था। कैप्चा जैसे टूल का जिक्र करते हुए एलन मस्क ने कहा कि मौजूदा एआई क्या आप एक बॉट हैं को आसानी से पास कर सकते हैं। दूसरे यूज़र्स को जवाब देते हुए मस्क ने कहा कि नए अकाउंट क्रिएट करने के तीन महीने बाद बिना शुल्क चुकाए पोस्ट किए जा सकेंगे। फिलहाल इस बारे में भी कोई डिटेल नहीं मिली है कि ये पॉलिसी कब लागू होगी और नए यूज़र्स को कितना शुल्क देना पड़ेगा। बता दें कि हाल ही में एक्स कॉर्प ने 26 फरवरी से 25 मार्च के बीच भारत में रिकॉर्ड 2,12,627 एक्स अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया था जो ज्यादातर बाल यौन शोषण और गैर-सहमति नग्नता को बढ़ावा देने के लिए थे। माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने देश में अपने प्लेटफॉर्म पर आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 1,235 खातों को भी हटा दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल...समलैंगिक समुदाय की समस्या को लेकर समिति गठित

नई दिल्ली । केंद्र ने समलैंगिक समुदाय के मुद्दों पर गौर करने के लिए कैबिनेट सचिव की अगुवाई में एक समिति गठित की है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष 17 अक्टूबर को केंद्र से समलैंगिक समुदाय के मुद्दों पर गौर करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित करने को कहा था जिसके अनुपालन में यह समिति गठित की गई है। अधिसूचना के अनुसार, समिति समुदाय से जुड़े मुद्दों को देखने तथा केन्द्र और राज्य सरकार को इसतरह कदमों के बारे में सुझाव देगी जिससे समलैंगिक समुदाय को वस्तुओं और सेवाओं तक बिना किसी भेदभाव तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। यह समिति उठाए जाने वाले कदमों की भी जांच करेगी ताकि समलैंगिक समुदाय को हिंसा, उत्पीड़न आदि के खतरे का सामना न करना पड़े। केंद्रीय गृह सचिव, विधायी सचिव, स्वास्थ्य सचिव, महिला एवं बाल विकास सचिव और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव इस समिति के सदस्य हैं। अधिसूचना के अनुसार, समिति जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों तथा अन्य अधिकारियों की भी मदद ले सकती है।

छात्रों के बीच आए दिन मारपीट के चलते नोएडा पुलिस ने चलाया अभियान

-अवैध हुक्का बार, स्नूकर को किया बंद, छात्रों का कराया जा रहा सत्यापन

नोएडा। नोएडा की एमिटी यूनिवर्सिटी में आए दिन छात्रों के बीच मारपीट और बवाल के वीडियो वायरल होते रहते हैं, जिसके चलते पुलिस पर सवाल खड़े होते हैं । यूनिवर्सिटी के आसपास अवैध तरीके से ढाबे हुक्का बार स्नूकर चल रहे थे, बाहरी युवा यहां पर आकर मौज-मस्ती करते थे उनके बवाल और मारपीट के वीडियो सामने आते थे। नोएडा पुलिस ने अवैध रूप से चल रहे सभी ठिकानों को बंद कर दिया है और पीजी में रह रहे सभी छात्रों का सत्यापन कराया जा रहा है। यह अभियान इसी तरह जारी रहेगा और पुलिस लगातार चेकिंग करती रहेगी। नोएडा के एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया नोएडा के सेक्टर-126 थाना इलाके में पड़ने वाली एमिटी यूनिवर्सिटी के आसपास के इलाकों में बने हुक्का बार, स्नूकर प्लेस, ढाबों और अन्य दुकानों के देर रात तक चलने के कारण आम लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसको देखते हुए नोएडा पुलिस ने अभियान चलाकर नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों का चालान काटा। साथ ही, पीजी में रह रहे स्टूडेंट्स और अन्य लोगों का सत्यापन भी करवाया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 16 अप्रैल को अभियान में गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश ?नर लक्ष्मी सिंह से मिले निर्देश पर सेक्टर-126 क्षेत्र के अंतर्गत निजी यूनिवर्सिटी के आस-पास विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 278 गाड़ियों के चालान व 16 गाडियों को उठावाया गया। पुलिस टीम पेट्रोलिंग करते हुए संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की तलाशी ले रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्यवाही की सराहना की है।

चुनाव आयोग को मिली 200 शिकायतें, 169 का किया निराकरण

नई दिल्ली। आचार संहिता के बाद से एक महीने में केंद्रीय निर्वाचन आयोग को 200 शिकायतें मिली । इनमें से 169 का निपटारा कर दिया गया है। आम चुनाव का ऐलान होने के साथ पूरे देश में 16 मार्च को चुनाव आचार संहिता लागू हो गई थी। पिछले महीने सात राजनीतिक दलों के 18 जनप्रतिनिधियों ने चुनाव आयुक्त से मुलाकात की थी और अपनी शिकायतें दर्ज कराई थीं। इसी प्रकार अनेक राज्यों में भी अनेक लोग शिकायतें लेकर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पहुंचे। आयोग के पास आईं 200 शिकायतों में से 169 में सुनवाई पूरी कर निपटारा कर दिया गया। चुनाव आयोग को भाजपा नेताओं द्वारा 51 शिकायतें दर्ज कराई गईं। इनमें 18 का निपटारा कर दिया गया। इसी प्रकार कांग्रेस की ओर से 59 शिकायतें मिली थी। आयोग ने इनमें 51 को निपटारा कर दिया है। इसके अलावा 90 शिकायतें अन्य राजनीतिक दलों की आईं, जिनमें से 80 पर कार्रवाई की गई है।

जमुई प्रत्याशी का छलका दर्द, बिहारी लोग ही हमें बाहरी कहते हैं

-90 के दशक का पलायन दूसरा सबसे बड़ा पलायन था

जमुई । अरुण कुमार भारती लोजपा के सुप्रीमो चिराग पासवान के बहनोई हैं और जमुई सीट से चुनाव मैदान में है। अरुण कुमार इससे पहले सक्रिय राजनीति में नहीं थे, पहली बार वह जमुई से चुनावी मैदान में कूदे हैं। भारती ने बिहार के विकास को लेकर कई बड़े सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि बिहार में 90 के दशक में जो पलायन हुआ, वह भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा पलायन था। आज लोग मुझ पर बाहरी होने का आरोप लगा रहे हैं। अरुण कुमार ने कहा कि भारत का संविधान यह आजादी देता है कि हम कहीं से चुनाव लड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि काम, रोजगार, शिक्षा जैसी जरूरी चीजों की कमी के कारण बिहार से जिन लोगों का पलायन हुआ, उनसे माफी मांगनी चाहिए। कोई सिंगापुर से आकर सारण से पैराशूट से टिकट पा जाता है, तब वह बाहरी नहीं होता और जब हम बाहर से पढ़ाई कर वापस बिहार आकर काम करना चाहते हैं तो लोग हमें बाहरी कहते हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने बिहारी को बाहरी बनाया, सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए, क्योंकि वे लोग पहले बिहार को बाहरी बनाते हैं फिर घर आने पर उन्हें भी बाहरी कहते हैं। भारती ने बताया कि उन्होंने बिरला पब्लिक स्कूल से इंटरमीडिएट की पढ़ाई की है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज आफ कामर्स से ग्रेजुएशन किया, जबकि यूनाइटेड किंगडम (इंग्लैंड) की यूनिवर्सिटी आफ स्ट्रैटक्लैड में एमबीए की पढ़ाई की है। अरुण कुमार भारती इसके पहले भी वे चिराग पासवान की पार्टी के लिए काम करते रहे हैं। भारती जब से चुनाव मैदान में उतरे हैं, तब से उन पर बाहरी होने के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ था। दो अलग-अलग देश बने थे। उस वक्त जो पलायन हुआ था उसके बाद बिहार से लोगों का पलायन दूसरे नंबर पर आता है जो 90 के दशक में हुआ था। बिहार से जो लोग पलायन करके अन्य राज्यों में जाते थे तो उनके सामने दो समस्याएं खड़ी हो जाती थी। यहां से लोग पलायन कर बाहर चले गए, क्योंकि उन्हें यहां उचित माहौल नहीं मिल रहा था। तब हमें बाहर में बिहारी कहा गया और जब हमने पढ़-लिखकर वापस बिहार आकर काम करने की कोशिश करते हैं तो हमें बाहरी कहा जाता है। उन्होंने सवाल किया कि बिहारी के साथ यह दोहरा मापदंड क्यों?

गया से मांझी को जीतने भाजपा और जेडीयू को झोंकनी होगी ताकत

पीएम ने हर बूथ जीतने का किया आव्हान

पटना (एजेंसी)। बिहार की गया (आरक्षित) सीट पर एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है। दोनों के दिग्गज नेता अपने प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए गया का दौरा कर चुके हैं। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रत्याशी जीतन राम मांझी को जिताने के लिए बहुत कुछ कह गए हैं।

अहम सवाल है कि मांझी और कुमार सर्वजीत अपने जिले से लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी हैं। अपने जिले, इस लिहाज से कि यहीं से विधायक हैं। इसमें कुमार सर्वजीत का पलड़ा भारी है, क्योंकि वे बोधगया के राजद विधायक हैं। यह विधानसभा क्षेत्र गया लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। दूसरी तरफ, मांझी इमामगंज से विधायक हैं। इमामगंज विधानसभा औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के अंदर है।

बिहार जातिगत जनगणना करा चुका है, हालांकि जनगणना के आंकड़े जिलावार नहीं जारी किए गए। इसलिए, सारी राजनीति जातियों की अनुमानित संख्या के आधार पर है। इस अनुमान के अनुसार सबसे बड़ी आबादी भुइयां (महादलित) की है। इससे मांझी आते हैं। मौजूदा जदयू सांसद विजय मांझी भी इसी जाति से हैं। वह विरोध में नहीं, इसका फायदा मांझी को मिल रहा है। संख्या के हिसाब से उसके बाद दुसाध, यानी पासवान हैं। इससे कुमार सर्वजीत हैं। मतलब, पीठ पर ही हैं। तीसरे नंबर पर राजपूतों की संख्या है। फिर मुस्लिम और पांचवें नंबर पर वैश्य-बनिया को नंबर आता हैं। मतलब, अपनी जाति और भाजपा के पारंपरिक वोटरों की बड़ी आबादी के हिसाब से मांझी फायदे में दिखते हैं। कांग्रेस प्रत्याशी कुमार सर्वजीत की जाति वहीं है, जो चिराग पासवान की है। राजनैतिक पंड़ितों का कहना हैं चिराग और पशुपति कुमार पारस ने मिलकर मेहनत कर दी होती, तब गारंटी की संभावना बन सकती थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को अपने समर्थकों से बार-बार अपील की कि वह हर बूथ पर उन्हें जिताएं। उन्हें यह क्यों कहना पड़ा? इस समझना बहुत मुश्किल नहीं है। इस सीट पर हम-से प्रत्याशी उतरे हैं और इस पार्टी के पास कार्यकर्ताओं का वैसा नेटवर्क नहीं है। एनडीए में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाईटेड के पास ही नेटवर्क है। भाजपा को चूंकि बिहार की 40 में से 40 सीटों पर जीत की गारंटी चाहिए, इसलिए उसे कैडर की ताकत झोंकनी होगी।

शाह ने रामनवमी पर किए 400 साल पुराने मंदिर में राम के दर्शन

छिंदवाड़ा। लोकसभा चुनाव का प्रचार करने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छिंदवाड़ा पहुंचे वहां उन्होंने रोड शो किया था और बुधवार को अमित शाह ने रामनवमी के मौके पर यहां के ऐतिहासिक राम मंदिर में दर्शन किए। वहीं उन्होंने पार्टी के नेताओं को जीत का मंत्र भी दिया। केंद्रीय मंत्री बुधवार को रामनवमी के अवसर पर छिंदवाड़ा में ऊंट खाना स्थित राम मंदिर पहुंचे और दर्शन किए। यह ऐतिहासिक और लगभग 400 साल पुराना मंदिर है और इसका शंकराचार्य से करीबी नाता रहा है। बता दे कि केंद्रीय गृहमंत्री मंगलवार शाम छिंदवाड़ा पहुंचे थे। उनका यहां ऐतिहासिक रोड शो हुआ। शाह ने रात्रि विश्राम छिंदवाड़ा में भी किया था। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने अपने एक्स पर भी लिखा कि छिंदवाड़ा रोड शो का जोश और उत्साह भाजपा की प्रचंड जीत का संदेश है। इस अपार स्नेह और समर्थन के लिए छिंदवाड़ा की जनता का मैं हृदय से आभार मानता हूं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि रोड शो के बाद अमित शाह ने मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश के चुनाव प्रभारी महेंद्र सिंह, क्लस्टर प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय के साथ बंद कमरे में काफी देर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने छिंदवाड़ा की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने के साथ कुछ हिदायत दी और नई रणनीति पर काम करने की भी बात कही। सूत्रों का कहना है कि शाह ने नेताओं से किसी भी कीमत पर छिंदवाड़ा सीट जीतने की बात कही है।

पाकिस्तान और चीन के पास भी...परमाणु हथियारों को नष्ट करने के माकपा के वादे पर राजनाथ सिंह बोले- देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ से कम नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सार्वजनिक सभा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता चाहता हूं कि 2047 आते-आते हमारा ये भारत दुनिया की विकसित देश के रूप में खड़ा हो जाएगा। पीएम मोदी ने अपने कार्यकाल में 4 करोड़ पक्के मकान यहां के गरीबों को देने का काम किया है और 75 साल से अधिक के बुजुर्गों को हम 5 लाख तक मुफ्त में इलाज करवाएंगे।

यूडीएफ और एलडीएफ ने अपने लगातार शासन में केरल के लोगों को लूटा है। अब वे केंद्र में एक संयुक्त 'मनी हाइस्ट' की योजना बना रहे हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारत की जनता ने ठान लिया है 'अबकी बार चार सौ पार'। रुस-यूक्रेन युद्ध के दौरान 22000 से अधिक स्टूडेंट्स को यूक्रेन से निकाला गया और अभी कुछ दिन पहले हैती से भी भारतीयों को सुरक्षित निकाला गया है। आप जानते हैं, हमारी सरकार ने युद्ध के बीच फंसी हमारी नर्स सिस्टर्स को भारत वापस लेकर आए थे इराक से। सूडान में जब सिविल वॉर छिड़ा तब बहुत मुश्किल हालात में भारतीयों को निकाला गया।

कांग्रेस पार्टी अभी तक 19वीं सेंचुरी की सोच के साथ चल रही है। एलडीएफ भी एक आउटडेटेड ऑडियोलाजी है पर डिपेंडेंट है। जहां से कम्युनिस्म का ओरिजिन हुआ वहाँ से कॉम्युनिस्म ख़त्म हो गया। इन दोनों पार्टियों का कल्चर भी केरला की ग्रेट कल्चर से भी मेल नहीं खाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के चुनाव घोषणापत्र पर सवाल उठाया, जिसमें भारत के परमाणु हथियारों को नष्ट करने का वादा किया गया था और उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी से स्पष्टता भी मांगी।

मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव की मोदी सरकार ने खुलकर तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री द्वय डॉ मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव के कामों की मोदी सरकार ने जमकर तारीफ की है। वो भी देश की सबसे बड़ी अदालत के सामने। सुप्रीम कोर्ट में देश के पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव और उनके तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह की प्रशंसा की है। मोदी सरकार ने देश की सबसे बड़ी अदालत में 1991 में लाइसेंस राज को खत्म करने और आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने के लिए दोनों ही दिग्गज कांग्रेसी नेताओं की प्रशंसा की है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने हाल ही में नरसिम्हा राव को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्नसे भी नवाजा है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ जजों की पीठ को बताया कि अधिनियम के अनुसार कई महत्वपूर्ण उद्योगों के विकास और विनियमन तथा पूरे देश पर प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को केंद्र के नियंत्रण में लाना आवश्यक है।,कोविड-19 का उदाहरण देते हुए मेहता ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय हित में अपनी नियामक शक्ति का उपयोग कर सकती है, जैसा कि उसने सैनिटाइजर के निर्माण के लिए अधिसूचित मूल्य पर इथेनॉल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश जारी करके किया था। नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों के बाद कंपनी कानून और एमआरटीपी अधिनियम सहित कई कानूनों को उदार बनाया गया। इनके बाद अगले तीन दशकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतृत्व वाली सरकारों ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 में संशोधन करना आवश्यक नहीं समझा। वह पीठ के एक सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें जस्टिस हृषिकेश रॉय, एएस ओका, बीवी नागरत्ना, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, उज्ज्वल भुइयां, सतीश सी शर्मा और ऑगस्टीन जी मसीह भी शामिल थे। पीठ ने आईडीआरए, 1951 की तीखी आलोचना करते हुए इसे पुरातनपंथी बताया था। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन, विनिर्माण, आपूर्ति और विनियमन के संबंध में केंद्र और राज्यों की शक्तियों के अधिव्याप्त होने के मुद्दे की पड़ताल कर रही है। सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा राज्यों के खिलाफ फैसला सुनाए जाने के बाद पीठ के समक्ष कई याचिकाएं आईं।वर्ष 1997 में सात न्यायाधीशों की पीठ द्वारा यह निर्णय दिए जाने के बाद कि केंद्र के पास औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन पर नियामक शक्ति होगी, साल 2010 में यह मामला नौ न्यायाधीशों की पीठ के पास भेजा गया था।

दिग्विजय का शपथ पत्र, उनकी कमाई हुई कम... पत्नी की कमाई में बंपर इजाफा

राजगढ़ (एजेंसी)। दिग्विजय सिंह ने जानकारी दी है कि उन्हें विधायक और सांसद की पेंशन मिलती है। इसके अलावा भवन और दुकान का किराया आता है। साथ ही ब्याज और कृषि आय से भी उन्हें कमाई होती है। राजगढ़ लोकसभा सीट से दिग्विजय ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके नामांकन के साथ दिए गए शपथ पत्र उल्लेख हैं, कि उनकी आमदनी बीते 5 सालों में आधी के लगभग रह गई है, जबकि उनकी पत्नी की आमदनी में इजाफा हुआ है। राजगढ़ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह ने दुर्गा अष्टमी पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया। दिग्विजय के द्वारा दिए गए शपथ पत्र में बताया गया है साल 2018-19 में उनकी आमदनी 39 लाख 49,000 के आसपास थी जो 2019-20 में घटकर 28 लाख 50 हजार रह गई। इसके बाद भी आमदनी घटने का सिलसिला जारी रहा। साल 2020-21 में 18 लाख 78000, साल 2021-22 में 20 लाख 11 हजार और साल 2022-23 में 22 लाख 33,000 उनकी आमदनी रह गई, जबकि उनकी पत्नी की आमदनी में इजाफा हो रहा है। उनकी पत्नी अमृता राय की आमदनी साल 2018-19 में 5 लाख 72000 जाहिर की गई है जो कि साल 2019-20 बढ़कर 31 लाख 17 हजार हो गई। राशि बढ़ने का सिलसिला साल 2020-21 में भी जारी रहा। इस वित्तीय वर्ष उनकी आमदनी 43 लाख 88000 है, जबकि साल 2021-22 में 65 लाख 90,000 तथा कृषि से 4,99,000 की आय है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में दिग्विजय की पत्नी की आमदनी सर्वाधिक 88 लाख 14,000 तथा कृषि से 9,95,000 होना बताया गया है। इस प्रकार दिग्विजय की आमदनी लगातार घटती गई और उनकी पत्नी की आमदनी 5 सालों में 20 गुना बढ़ गई है। इसके अलावा दिग्विजय और उनके परिवार के सदस्यों के पास भवन, कृषि भूमि, मकान आदि करोड़ों रुपए की अचल संपत्ति भी है। दिग्विजय पर बैंक का 4200 कर्ज है, जबकि उनकी पत्नी अमृता राय पर 86 लाख रुपए से ज्यादा का कर्ज है। दूसरे कर्ज का भी उल्लेख शपथ पत्र में किया गया है, जिसमें एक करोड़ 17 लाख 37,000 की देनदारी दिग्विजय सिंह की है।

वाई प्लस सुरक्षा के बावजूद फायरिंग कर भागे आरोपी, सुरक्षा पर उठे सवाल

-मुंबई पुलिस अधिकारियों पर बरसे बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के सुपरस्टार और लोगों के भाईजान सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग को लेकर पुलिस प्रशासन, बॉलीवुड और फैन्स सभी चिंतित हैं। वहीं पुलिस भी इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाना चाहती है। पुलिस ने इस मामले में अभी तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस बीच फायरिंग मामले में बड़ी जानकारी हाथ लगी है।

सूत्रों का कहना है कि गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग की घटना के बाद सलमान खान बहुत नाराज हुए थे। सलमान की परिवार को लेकर चिंता बढ़ गई थी। फायरिंग को लेकर वह मुंबई पुलिस अधिकारियों पर बरस पड़े और कहा कि इतनी सुरक्षा के बाद भी कोई घर से बाहर फायरिंग कर गया तो फिर इस सुरक्षा का क्या फायदा? बता दें कि इस मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सूत्रों ने बताया कि फायरिंग की घटना के बाद जब मुंबई पुलिस के अधिकारी बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर पहुंचे तो उस समय सलमान खान बहुत गुस्से में थे और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित भी थे। सलमान ने मुंबई पुलिस द्वारा मुहैया कराई गई सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के सामने ही सवाल उठा दिया था। सलमान ने कहा था कि इतनी सुरक्षा होने के बाद भी फायरिंग हुई, तो इस सुरक्षा का क्या मतलब है। सलमान ने कहा कि वाई प्लस की सुरक्षा के बाद भी फायरिंग करने वाले वारदात को अंजाम देकर भाग गए और उनकी सुरक्षा में तैनात जवानों ने कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की । फिर ऐसी सुरक्षा का क्या फायदा।

बता दें कि इस मामले में पुलिस ने जानकारी दी है कि सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने वाले गिरफ्तार दो लोगों ने बताया कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कहने पर यह काम किया था और अब तक की गई जांच से पता चला है कि उन्होंने 14 अप्रैल को घटना को अंजाम देने से पहले सलमान खान के घर के आसपास की तीन बार 'रेकी' की थी। गिरफ्तार विक्की गुप्ता और सागर पाल ने बताया कि पैसे के लिए उन्होंने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि अब तक की जांच में पता चला है कि इन दो लोगों को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने गोलीबारी करने का काम दिया था।

आजादी के बाद पहली बार बरेली मंडल की किसी भी सीट पर नहीं लड़ रही कांग्रेस

-एक समय कांग्रेस पार्टी का गढ़ रहा

बरेली (एजेंसी)। बरेली मंडल की लोकसभा सीटों के चुनाव में इस बार ईवीएम पर हाथ का चिह्न नहीं होगा। आजादी के बाद यह पहला मौका है जब कांग्रेस प्रत्यक्ष तौर पर इन सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रही है। गठबंधन की सियासत में पहली बार बरेली मंडल की पांच सीटों सहित लखीमपुर खीरी व धौरहरा लोकसभा पर ईवीएम में हाथ का सिंबल नहीं होगा। बरेली मंडल की पांचों और खीरी की दो लोकसभा सीटों पर गठबंधन के तहत सपा के उम्मीदवार मैदान में हैं। इसके बाद यहां सपा के साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटे हैं। बरेली मंडल की सभी लोकसभा सीट पर आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस का कब्जा रहा था। वर्ष 2009 में अंतिम बार बरेली और धौरहरा सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद कांग्रेस का यहां वजूद खत्म होता चला गया है। बदायूं सीट पर कांग्रेस ने पांच बार चुनाव जीतकर सबसे ज्यादा समय तक कब्जा जमाने का रिकॉर्ड भी बनाया। आजादी के बाद हुए चुनाव में पार्टी लगातार दो बार जीती। यहां वर्ष 1984 में अंतिम बार कांग्रेस जीती थी। इसके बाद में सांसद सलीम इकबाल शेरवानी ने अगला चुनाव समाजवादी पार्टी के सिंबल पर लड़ा था। बरेली लोकसभा सीट पर आजादी के बाद कांग्रेस ने आठ बार जीत दर्ज की। यहां कांग्रेस के सतीश चंद्र पहले सांसद बने और दो कार्यकाल पूरे किए। वर्ष 1971 में कांग्रेस ने यहां वापसी की, मगर इमजरेंसी के बाद बदले हालात में सीट जनता पाटी के खाते में चली गई। वर्ष 1981 और 1984 में कांग्रेस की बेगम आबिदा अहमद दिल्ली पहुंची थीं। यहां अंतिम बार वर्ष 2009 में कांग्रेस के प्रवीण सिंह ऐरन ने जीत दर्ज की थी। आंवला लोकसभा सीट पर कांग्रेस तीन बार जीत दर्ज करने में सफल रही। यहां पहली बार वर्ष 1967 में सावित्री देवी जीती थीं और अगला चुनाव भी उन्होंने ही जीता था। वर्ष 1984 में अंतिम बार यहां कल्याण सिंह सोलंकी ने कांग्रेस को जीत दिलाई थी। इसके बाद कांग्रेस इस सीट पर जीत दर्ज नहीं कर सकी। वहीं पीलीभीत सीट पर कांग्रेस महज चार बार चुनाव जीतने में सफल रही है। यहां पहला चुनाव कांग्रेस के मुकुंद लाल अग्रवाल ने जीता था। इसके बाद वर्ष 1971, 1980, 1984 में भी पार्टी जीत हासिल करने में सफल रही। हालांकि वर्ष 1989 में मेनका गांधी ने यह सीट कांग्रेस से छीन ली थी। तब से अब तक सपा को इस सीट पर जीत नसीब नहीं हो सकी। पीलीभीत से भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद के पिता जितेंद्र प्रसाद यहां से चार बार सांसद रहे और जितिन प्रसाद भी वर्ष 2004 में यहां से जीते थे। यहीं इस सीट पर कांग्रेस की अंतिम जीत थी। लखीमपुर खीरी लोकसभा सीट पर सात बार कांग्रेस को सफलता मिली। पार्टी ने दो बार हैट्रिक लगाई है। वर्ष 1962 में देश में हुए दूसरे आम चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की और इसके बाद हैट्रिक लगाई। वर्ष 1980, 84 और 89 में ऊषा वर्मा ने कांग्रेस की दूसरी बार हैट्रिक पूरी की। वर्ष 2009 में जफर अली नकवी के द्वारा कांग्रेस ने यहां अपनी अंतिम जीत दर्ज की थी।

गुलाम नबी आजाद ने किया लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान, पार्टी ने अनंतनाग-राजौरी सीट से बनाया था उम्मीदवार

नई दिल्ली। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद ने 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। इससे पहले, पूर्व कांग्रेस नेता को डीपीएपी ने अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र से नामांकित किया था। गुलाम नबी आज़ाद ने बुधवार को अनंतनाग में एक बैठक में यह घोषणा की। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और पूर्व कांग्रेसी गुलाम नबी आजाद खुद की पार्टी बनाकर चुनावी मैदान में हैं। उधमपुर में जीएम सरूरी लड़ रहे हैं। आजाद को सीएम रहने के दौरान जम्मू में कराए गए कामों के लिए पसंद किया जाता है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने कठुआ बलात्कारियों का समर्थन करने वाले लाल सिंह का समर्थन करने के लिए राहुल गांधी और उमर अब्दुल्ला को आड़े हाथों लिया। वे बीजेपी से भी बदतर हैं। राहुल गांधी ने एक बार कहा था कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी हम नहीं जाएंगे।

अगर मोदी इस बार चुनाव में जीते तो लोकतंत्र नहीं बचेगा, ममता बनर्जी का बीजेपी पर तीखा हमला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि रामनवमी के मौके पर राज्य में दंगे भड़काने की साजिश रची जा रही है। पिछले साल के जश्न में राज्य में हिंसा हुई थी, जिससे भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच बड़े पैमाने पर टकराव हुआ था। बनर्जी ने एक चुनावी रैली में आरोप लगाया, वे आज दंगे में शामिल होंगे। दंगा होने की संभावना है। और वे दंगा करके और वोट लूटकर (चुनाव) जीतेंगे। इससे पहले आज, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए समारोह के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की। हालाँकि, भाजपा ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री भारतीय और सनातनी संस्कृति को अपमानित कर रही हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर शांति बनाए रखने की अपील की है, यह रामनवमी के त्योहार का अपमान है क्योंकि अन्य धार्मिक अवसरों पर आपने (ममता बनर्जी) शांति का संदेश दिया है, लेकिन यहां आप पूछ रहे हैं 'शांति बनाए रखें' शांति और समृद्धि का संदेश देने के बजाय, ऐसा करके आप भारतीय और सनातनी संस्कृति को अपमानित करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ने पूरे पश्चिम बंगाल में रामनवमी जुलूस निकाले। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने शहर के न्यू टाउन इलाके में ऐसे ही एक रामनवमी जुलूस में भाग लिया, जबकि टीएमसी मंत्री अरूप रॉय और पार्टी के हावड़ा लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार प्रसून बनर्जी हावड़ा शहर में जुलूस के साथ चले। इसी तरह के सैकड़ों छोटे और बड़े जुलूस, युवाओं के साथ 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए और भगवा झंडे और तलवारों की प्रतिकृतियों के साथ ढोल की उन्मादी धुनों के बीच पूरे राज्य में निकाले गए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

GJEPC ने लैबग्रोन डायमंड्स के लिए सूरत में विशेष 'क्रेता-विक्रेता बैठक' का आयोजन किया

विभिन्न देशों से ४३ खरीदार आए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

GJEPC ने पिछले साल विशेष रूप से लैबग्रोन डायमंड्स के लिए २ 'क्रेता-विक्रेता बैठकें' आयोजित कीं क्योंकि सूरत लैबग्रोन डायमंड्स के लिए एक विकास केंद्र बनने वाला है. अभूतपूर्व प्रतिक्रिया के जवाब में, GJEPC ने इस साल भी डायमंड बुर्से, सूरत में एक "क्रेता विक्रेता बैठक" का आयोजन किया है, जिसमें सूरत के शीर्ष १५ लैबग्रोड डायमंड ग्रोअर्स, लूज रूष्ठ कट एंड पॉलिश्ड सप्लायर्स और लैबग्रोन डायमंड ज्वैलरी मैन्युफैक्चरर्स ने भाग लिया.

इस 'क्रेता-विक्रेता बैठक' में भारत के बाहर के देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, लेबनान, रूस, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों से ४३ अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों ने भाग लिया. इस मीट में प्रत्येक खरीदार के साथ एक-पर-एक व्यक्तिगत बैठक की जाएगी। यह क्रेता-विक्रेता मीट LGD क्षेत्र में सूरत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और सूरत के LGD व्यापारियों को विश्व मंच पर प्रसिद्ध बनाएगी.

सांख्यिकीय रूप से कहें तो, २०१९-२० में भारत से LGD का कुल निर्यात ४३० मिलियन रूष्ठ था. जो २०२१-२२ में बढ़कर १३९५ मिलियन रूष्ठ हो गया और अब वर्ष २०२२-२३ में १६८० मिलियन रूष्ठ और वर्ष २०२३-२४ में १४०२ मिलियन रूष्ठ का लैबग्रोन हीरों का निर्यात किया गया है.

भारत से सबसे ज्यादा निर्यात अमेरिका, हांगकांग और यूएई को होता है. भारत से प्रयोगशाला में विकसित हीरे आयात करने में संयुक्त राज्य अमेरिका ८५५ मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ पहले स्थान पर है. हांगकांग १९५ मिलियन और संयुक्त अरब अमीरात १९० मिलियन अमरीकी डालर के साथ क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं. एक प्रसिद्ध सर्वेक्षण के अनुसार, प्रयोगशाला में विकसित हीरों का वैश्विक बाजार २०२० में २० बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो २०३० तक ९.४% की सीएजीआर से बढ़कर ५० बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की संभावना है.

GJEPC के अध्यक्ष विजय मंगेकिया ने कहा कि सूरत डायमंड बुर्से में खरीदारों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें ४३ विदेशी खरीदार आए और १५ प्रदर्शकों ने भाग लिया.

विदेशी खरीदारों के माध्यम से सूरत डायमंड बुर्स की प्रसिद्धि को और भी अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है.

रंगों से लेकर आभूषणों तक प्रयोगशाला में विकसित हीरों की विविधता का भी यहां प्रदर्शन किया गया. अधिकांश प्रदर्शकों द्वारा बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दर्ज की गई है.

सचीन तलंगपुर में अवैध रूप से दलालों द्वारा अवैध कामकाज किया जा रहे क्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सचीन तलंगपुर में गभेणि रोड़ सम्राट रेसिडेंशियल में बने प्लोट न.७६ ,७७ क्या सुरत महानगर पालिका के नितिनियम के अनुसार कामकाज किया गया है या फ़िर अवैध रूप से मनपा के नितिनियम का खुल्लेआम मजाक बना दिया गया हैं इसकी जाँच करने के बाद ही पता चलेगा.

सूरत में धोखेबाज दोस्त ने दोस्त के घर पर करवाई चोरी, ५ लाख की चोरी के लिए दी २० हजार की सुपारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत में चोरी की वारदातों के बीच एक अजीबों गरीब मामला सामने आया है. जिसमें एक दोस्त दूसरे के लिए धोखेबाज बन गया हो ऐसा प्रतीत हो रहा है. दोस्त ने ही दूसरे को दोस्त के घर में चोरी करने की सुपारी दी. बाद में चोरी का माल गन्ने के खेत में छिपा दिया गया था. हालांकि सीसीटीवी से धोखेबाज दोस्त का भांडा फूट गया. साथ ही आरोपी को पकड़कर गन्ने के खेत में छिपाकर रखे गए रूपये भी बरामद कर लिए गए.

पुणागाम कल्याणनगर के पास कृष्णानगर सोसायटी निवासी चंचलसिंह अशोकसिंह चौहान सब्जी का व्यवसाय करते हैं. मूल रूप से यूपी के इलाहाबाद निवासी चंचलसिंह के घर पर तस्करों ने १५ अप्रैल की शाम ४ से ६:३० बजे के बीच धावा बोला। तस्कर मुख्य दरवाजे पर लगे कमरे का ताला तोड़कर अंदर घुसे और कमरे में रखे काले रंग के सूटकेस में रखी नकदी चुरा ली और ५ लाख का सूटकेस लेकर फरार हो गए. पुलिस ने चंचलसिंग की शिकायत ली और जांच शुरू की. वी.आर पटेल (एसीपी) ने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जिस तरह से जवाब दिए गए वह भी संदिग्ध के रूप में था. इसलिए जब शिकायतकर्ता को बुलाकर पूछताछ की गई तो उसके दोस्त सुनील उर्फ कालू सीताराम सरोज ने उससे ऐसे जवाब देने को कहा था. जिससे सुनील पर भी संदेह होने पर पूछताछ की गई.

साथ ही कापोद्रा पुलिस के हाथ लगे सीसीटीवी की जांच की गई, जिसमें एक युवक शिकायतकर्ता के घर से सूटकेस ले जाता हुआ सामने आया। इसलिए सुनील पर संदेह होने पर उसे कापोद्रा थाने लाया गया और गहनता से पूछताछ की गई. जिसमें सारी बातें कबूल कर लीं. आरोपी सुनील ने कबूला और कहा, ''मुझे लगा कि मेरे दोस्त चंचलसिंह के पास किसी कार्यक्रम के चलते दो लाख रूपए और कुछ और रूपए भी हैं. इसलिए इस रूपये को चुराने की साजिश रची गई. जिसमे मनोज नाथूराम कपूर को २० हजार रूपये की सुपारी दी और चोरी करने को कहा.

सुनील ने चंचलसिंह के चार से चोरी-छिपे चोरी करने और उसकी रसोई से घर की चाबी निकालकर उसे देने और घर से रूपयों से भरा सूटकेस लेकर उसे वहां देने की साजिश रची, जहां वह एक किलोमीटर दूर खडा था. इसे चुराने के लिए सुनील ने मनोज को २० हजार रूपये भी दिये थे. मनोज के छिपकर बाहर निकलने के बाद सुनील ने भी उसके बाल काट दिए और उसका चेहरा विकृत कर दिया. सुनील ने ऐसी योजना बनाई थी कि जिससे मनोज सीसीटीवी या किसी अन्य माध्यम से पकड़ा न जाए. कापोद्रा पुलिस ने दोनों आरोपी सुनील और मनोज को पकड़ लिया है. इसके साथ ही सुनील द्वारा जो भी पैसा पास के गन्ने के खेत में गड्ढा खोदकर छिपा दिया था उसे भी पुलिस ने जब्त कर लिया है. फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है.

सूरत में मां को पीटने वाले युवक की धारदार हथियार से वार कर हत्या

भाई को निपटाने में चचेरे भाई ने दिया सहयोग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के डिंडोली-चलथान नहर रोड पर एक और हत्या हुई. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसमें सामने आया कि हत्या छोटे भाई ने की है, क्योंकि बड़ा भाई शराब पीकर मां के साथ लगातार मारपीट कर रहा था. आरोपी के साथ उसका चचेरा भाई भी था. इसलिए दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है.

डिंडोली मधुरम सर्कल से चलथान की ओर जाने वाली नहर रोड पर एक खेत के किनारे कल सुबह एक युवक की हत्या की हुई लाश मिली. मृतक की गर्दन और चेहरे पर तथा बगल के नीचे छाती की ओर किसी धारदार हथियार से वार किया गया था. मृतक के हाथ पर भगवान बुद्ध का टैटू बने होने के कारण पुलिस ने उधना और पांडेसरा में बौद्ध समुदाय के लोगों से संपर्क किया. पुलिस ने वेसू तलाववाडी के पास सूडा आवास में रहने वाले बच्छाव परिवार से संपर्क किया और मां ने मृतक की पहचान बड़े बेटे गोविंदा उर्फ गोविंद (३० वर्ष) के रूप में की। मां ने बताया कि बेटा अपने छोटे भाई के साथ गया था.

मृतक रात को कहां था? किसके साथ था? ऐसे शुरूआती सवालों में ही पुलिस को छोटे भाई किशोर का आचरण संदिग्ध लगा. कुछ कठोरता दिखाते हुए वह ढह गया। माना गया कि मृतक गोविंदा जिद्दी स्वभाव का था और शराब के नशे में अक्सर अपनी मां से झगड़ा करता था. कल रात जब वह घर पहुंचा तो मां रो रही थी. किशोर ने गोविंदा को बताया कि उसने उसे पीटा है और उसने उसे मारने का फैसला किया और उसे फोन करके बुलाया। उसने कड़ोदरा में रहने वाली अपनी बहन को वहां जाने के लिए कहा और अपने चचेरे भाई के साथ बाइक पर डिंडोली ले आया। रात करीब १२:३० बजे वह यहीं खड़ा था और मां की हत्या करने की बात पर झगड़ा किया और धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी. भाई की हत्या करने के बाद किशोर घर आ गया था। जब उसका चचेरा भाई भी जा रहा था. किसी को पता न चले इसलिए किशोर ने खून से सने कपड़े धो दिए थे। बाइक पर खून के धब्बे थे तो उसने उसे साफ किया और ऐसे सो गया जैसे कुछ हुआ ही न हो.

डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने बताया कि मृतक के परिवार में झगड़े होते रहते थे.

वह कोई व्यवसाय नहीं कर रहा था. उसकी पत्नी भी उसे छोड़कर चली गई थी और उसके ससुराल वाले भी उससे झगड़ रहे थे। बीते दिन उसने अपने ससुर से झगड़ा किया और बाद में अपनी मां से भी झगड़ा कर मारपीट की.

इसके बाद किशोर ने गोविंदा की हत्या करने का फैसला किया और अपनी मौसी के बेटे पुष्पक के साथ मिलकर गोविंदा की हत्या कर दी.

सीआर पाटिल आज नवसारी में नामांकन पत्र दाखिल करेंगे, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री रैली में शामिल होंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार सीआर पाटिल कल बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे. जिसमें उनका समर्थन करने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी भी नवसारी विजय संकल्प रैली में मौजूद रहेंगे.

सूरत की चार विधानसभा सीटों, नवसारी की तीन और कुल सात विधानसभा सीटों से भाजपा कार्यकर्ता, सीआर पाटिल के समर्थक बड़ी संख्या में नवसारी आएंगे, जिसमें आयोजित विजय संकल्प रैली में प्रांतीय कार्यालय पर रैली का समापन किया जाएगा। भीषण गर्मी के कारण शहर के कुछ इलाकों में सड़क के किनारे मंडप बनाये गये हैं जहां शीतल पेय के रूप में छाछ उपलब्ध करायी जाती है. साथ ही शहरों की सड़कों को भी सजाया गया है. विजयशंकर संकल्प रैली में सीआर पाटिल ढोल नगाड़ा शंखनाद के साथ रैली पूरी करेंगे और नामांकन फॉर्म भरेंगे.

इस विजय संकल्प रैली में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला पुलिस भी सतर्क हो गई है और ट्रैफिक जाम को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस सहित जिले के सभी थाना क्षेत्रों में व्यवस्था की जाएगी कि,बीजेपी उम्मीदवार सीआर पाटिल कल अपना नामांकन फॉर्म भरने आ रहे हैं. जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल हर्ष संघवी समेत बड़ी संख्या में उनके कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे. इस विजय संकल्प रैली को लेकर हमारे कार्यकर्ताओं में उत्साह दिख रहा है, हमारा प्रयास रहेगा कि शंख ढोल नगाड़ा सहित वजते गजते सीआर पाटिल का यह कार्यक्रम भव्य हो.

जिला एलसीबी टीम ने फर्जी दस्तावेजों के अपराध में पिछले १३ साल से फरार चल रहे आरोपी को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, कामरेज पुलिस स्टेशन में दर्ज फर्जी दस्तावेज के अपराध में पिछले १३ वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को जिला एलसीबी टीम ने कामरेज तालुक के कोसमाडी गांव के पाटिया के पास पकड़ा और कानूनी कार्रवाई की गई. जिस समय सुरत जिला एलसीबी टीम के जवान गश्त पर थे. उस समय कुछ निजी जानकारी मिली कि कामरेज पुलिस स्टेशन में दर्ज आईपीसी ३४७, ३६५, ३८४, ३८६, ४०६, ४२०, ४६७, ४७१, ५०४, ५०६ (२), १२० (बी), ११४ के तहत अपराधों में पिछले १३ वर्षों से फरार चल रहा आरोपी घनश्याम हरि रादडिया (उम्र ६२ वर्ष) अपने काम के सिलसिले में कामरेज तालुक के कोसमाडी गांव के पाटिया में आया है.

जो की शरीर पर सफेद लंबी बाहें वाली शर्ट और सफेद पैंट पहना है. सूचना के आधार पर एलसीबी की टीम ने आरोपी को पकड़ा. कानूनी कार्रवाई के रूप में आरोपी की हिरासत कामरेज पुलिस को सौंप दी गई.

सूरत में जेबकतरा लोगों की पिटाई से बचने के लिए पुल में गिरा, फंस गया, अग्निशमन विभाग को फोन किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

चोर नदी में कूदा और कीचड़ में फंस गया

सूरत में एक चोर के उल से चूल्हे में गिरने की घटना सामने आई है. शहर के रैंडर वियर कम कॉजवे इलाके में लोगों की मार से बचने के लिए एक जेबकतरे ने नदी में छलांग लगा दी. तभी नदी के कीचड़ में फंस गया. चमगादड़ के नदी में ऊपर जाकर फंस जाने के बाद उसे बचाने के लिए अग्निशमन विभाग को बुलाना पड़ा।